जिनागम

धर्म-परिवार-समाज-व्यवसाय का समन्वय

समस्त जैन समाज को एकजुट करने वाली एकमात्र पत्रिका

वर्ष -२८ अंक -०८ अप्रैल २०२६ सम्पादक-बिजय कुमार जैन पृष्ठ ४४ मूल्य - १५० रूपए प्रति

श्वेताम्बर जैन दिगम्बर

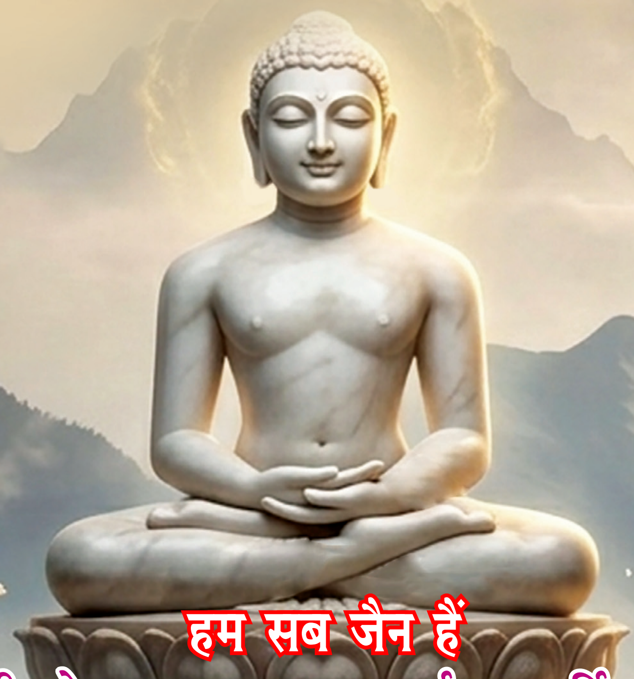

हम सब जैन हैं

तीर्थंकर महावीर के जन्म कल्याणक पर्व पर हार्दिक शुभकामनायें

30 मार्च 2026 को पुणे में हुए 'आपणों राजस्थान' कार्यक्रम की अपार सफलता के लिए धन्यवाद पढ़ें पृष्ठ 13-15 पर

राजस्थान फेस्टिवल

अगस्त-सितंबर 2026 को होगा तारीख की जल्द ही घोषणा की जाएगी

भारत सरकार द्वारा पंजीकृत क्र. U80300MH2021NPL369101

12A Reg No. AAPCM0514R25MB01 / 80G Reg No. AAPCM0514R25MB02 / CSR Reg No. CSR00101842

मैं भारत हूँ फाउंडेशन

भारतीय संस्कृति की ओर अग्रसर

पत्रिका द्वारा होने वाली आय भारतीय भाषायी संस्कृति संवर्धन व हिंदी बनें राष्ट्रभाषा अभियान की सफलता पर खर्च किया जा रहा है

www.jinagam.co.in Remove INDIA Name From the Constitution INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए

पधारो म्हारे देश

पहले मातृभाषा फिर राष्ट्रभाषा

मेरा राजस्थान

सम्पादक : बिजय कुमार जैन

राजस्थानियों के विचारों के साथ समस्त राजस्थान समाज को एकजुट करने वाली एकमात्र पत्रिका

मैं भारत हूँ फाउंडेशन

भारत को 'भारत' ही बोला जाए

राजस्थान का इतिहास पहुँचाए आपके हाथ

मात्र रु. १००/- में, प्रति महिना

भारत का एक राज्य राजस्थान का एक नगर

1 प्रति ₹ 100/- **सोजत** 1 प्रति ₹ 100/-

के इतिहास की प्रति मंगवाने के लिए संपर्क करें:- 022-4015-8018

सम्पादक

बिजय कुमार जैन

उपसम्पादक
संतोष जैन 'विमल'

कार्यकारी सम्पादक
अनुपमा शर्मा (दाधीच)

पंजीकृत कार्यालय

बी-२१७, हिंद सौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोल, अंधेरी पूर्व, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत -४०० ०५९

दूरध्वनिः ०२२-४०१५ ८०९४ अणुडाक: mailgaylordgroup@gmail.com

विशेष छूट

विज्ञापन देने पर पूरे साल 'मेरा राजस्थान' पत्रिका मुफ्त

वार्षिक शुल्क १२००/-

आजीवन शुल्क ११,१११/-

Mahavir Jayanti – Towards Enlightenment & Inner Peace

RSM Astute Consulting Group

- RSM India (constituent member firms - RSM Astute Consulting Group and affiliates) has been ranked amongst **India's top 6 accounting, tax and consulting groups** [International Accounting Bulletin-India Surveys, 2014- 2024]
- Indian member of **RSM International,** the world's 6th largest accounting, tax and consulting network with global revenue of US$ 10 billion (Rs. 90,000 crores)
- Largest first-generation home-grown firm in the top 10 in India Founded by Dr. Suresh Surana, the Group is one of the prominent Jain groups in the **Knowledge Business**
- Core services include Internal Audits & Risk Advisory, Corporate Tax & GST, IT Systems Assurance & Solutions and Operations Consulting
- Clients include several large Indian groups, multinational corporations and first-generation entrepreneurs

Founded **1985** | Personnel **3,000+** | India offices **14** | **6th** Largest Accounting, Tax & Consulting Firm

Mumbai Offices

Nariman Point: Unit Nos. 96 & 97, 9*th* floor, Maker Chambers VI, Nariman Point, Mumbai - 400 021

Andheri: 3rd Floor, Technopolis Knowledge Park, MIDC, Andheri East, Mumbai - 400 093

Tel: (91-22) 6121 4444 / 6108 5555 **Fax:** (91-22) 6108 5556 **Emails:** emails@rsmindia.in / emails@astuteconsulting.com **URL:** www.rsmindia.in

Offices: Mumbai * New Delhi – NCR * Gurugram * Chennai * Kolkata * Bengaluru * Navi Mumbai * Surat * Hyderabad * Ahmedabad * Pune * Gandhidham * Jaipur * Vijayanagar

RSM

जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!!

Tariff Card

Monthly Magazine
JINAGAM

Reader Ship
17,000

Readers
All Jains

Release Date
10th date of Every Month

Magazine Size
A4

Print Area
19cm x 24 cm

Print in
Art Paper/Card

विज्ञापन दर 1st November 2022
ADVERTISEMENT RATE

Front Cover (With Photo/Sponsorship) Size : 185 x 225 mm	**55,000/**	+ 5% GST
Front Page (Cover Inside) Size : 185 x 225 mm	**33,000/**	+ 5% GST
Back Page (Cover) Size : 185 x 225 mm	**35,000/**	+ 5% GST
Back Page (Inside Cover) Size : 185 x 225 mm	**31,000/-**	+ 5% GST
Opening of Magazine/3rd Page Size : 185 x 225 mm	**32,000/-**	+ 5% GST
Centre Page Size : 185 x 225 mm	**40,000/-**	+ 5% GST
Special Position on Editorial Page (if available) Quarter Page / Strip) Size : 185 x 50 mm	**8,000/-**	+ 5% GST
Full Page (Inside) Size : 185 x 225 mm	**22,000/-**	+ 5% GST
Half Page Size : 185 x 110 mm	**12,000/-**	+ 5% GST
Quarter Page Size : 90 x 110 mm	**6,000/-**	+ 5% GST

* Per Insertion

जिनागम द्वारा अपने व्यापार को बढायें अपने आप को समस्त जैन समाज तक पहुचायें
जैन समाज एकत्र हो यह है हमारा नारा इसके लिए चाहिए मात्र आप ही का सहारा

अगला अंक

जैन एकता

जीयो और जीने दो के विचारक तीर्थंकर महावीर के जन्म कल्याणक पर्व पर हार्दिक शुभकामनायें

Khemchand Mukim
Mob :9999102249
Vidit Samkit
Samriddhi Jainika

SRIMATI GEMS & JEWELS

100% buy back policy*
*T&C apply

A wide variety of Diamond, JADAU, Gold Jewellery and exclusive SILVER FURNITURE at wholesale prices.

Authentic Jewellery is your right and our commitment...

4835-36,24 Ansari Roach Darya Garth New Delhi-110002
Website: sgiindia.com, E-mail: sgi.delhi@gmail.com
Contact: 8588977777, 011-23254470, 23244472

On this auspicious occasion of
Lord Mahavir's 2624th Birth Anniversary
Let us embrace his profound teachings of non-violence, truth, and self-discipline. May his wisdom continue to guide us toward inner peace, harmony, and enlightenment. Wishing you and your loved ones a day filled with reflection, joy, and blessings!"
Rakesh Kundalia
SIMPLEX Electricals
Home To Your Electric Needs
WHERE INNOVATION MEETS COMFORT!
Bringing You The Best In Electrical Solutions For A Brighter, More Comfortable Tomorrow.
AUTHORISED CHANNEL PARTNERS
POLYCAB
HAVELLS
KÄRCHER
orient electric
wipro
Schindler
FINECAB
Goldmedal
Crompton
Finolex Cables Limited
Kühl
Groomiist
Crabtree
WARMEX
Hunter
TISVA
VOLTAS A TATA Enterprise
Racold
USHA
orb energy
LUKER
atomberg
30 YEARS ANNIVERSARY EXCELLENCE SERVICE
Shop No 11, Beside Ramakrishna 35 MM, NTR ESTATE, Troop Bazar, Abids, Hyderabad, TS
CALL: +91 90329 25000 / 040-2474 2143 | care@simplexemart.com
One Stop Shop
Largest Electric Outlet In The City
Car Parking Available

२९ वें वर्ष में प्रवेश

वर्ष -२८, अंक ०८, अप्रैल २०२६

दिगम्बर जैन श्वेताम्बर
जिनागम
समस्त जैन समाज को एकजुट करने वाली एकमात्र पत्रिका

१२ अंकों का वार्षिक मूल्य रू.२१००/-

सम्पादक - बिजय कुमार जैन

वरिष्ठ पत्रकार व सम्पादक
भारत को भारत ही कहा जाए
का आव्हान करने वाला एक भारतीय

उपसंपादक - संतोष जैन 'विमल'
सह संपादक डॉ. अल्पना गंगवाल, मालेगांव,
मोः ९३६९२ ५३११३
कार्यकारी सम्पादक - अनुपमा शर्मा (दाधीच)
मोः ९७०२२ ०५२५२

- 'जिनागम' में प्रकाशित लेखों/कविताओं/समाचारों/ विज्ञापनों से पूर्व सहमत होना सम्भव नहीं है।
- 'जिनागम' से सम्बन्धित समस्त विवादों के लिये न्याय क्षेत्र अंधेरी, मुम्बई ही मान्य माना जायेगा।

सम्पादकीय मुख्य कार्यालय
गेलार्ड पब्लिकेशन्स प्रा. लि.
बी-२१७, हिंद सौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोल,
अंधेरी पूर्व, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत -४०० ०५९
दूरभाष :- ०२२-४०१५८०९४
अणु डाक :- mailgaylordgroup@gmail.com
अन्तरताना:- http//www.jinagam.co.in

कृपया विज्ञापन बिल सदस्यता की राशि का भुगतान नीचे दिये गए बैंक में जमा करा सकते हैं

HDFC Bank
Andheri East Branch
RTGS / NEFT
IFSC: HDFC 0000592.
Account No.05922320003410

State Bank Of India
(01594) Marol Mumbai Branch.
IFS Code :SBIN0001594.
Account No. 030338727406.
in the name of GAYLORD PUBLICATIONS PVT.LTD.
Payment Transfer & Inform to us on: 9322307908

जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!!

श्वेताम्बर दिगम्बर • **सम्पादकीय** • दिगम्बर श्वेताम्बर

भारत का एक राज्य महाराष्ट्र की सांस्कृतिक नगरी पुणे में मचाया राजस्थानियों ने धूम

'जैन' हम अहिंसा प्रेमी 'जैन' महाराष्ट्र में कई-कई पिढ़ियों से निवासित हैं और राजस्थानी संस्कृति को प्रायःकर भूल बैठे हैं। कहते हैं कि जो भी अपनी संस्कृति को भुला, वह अपने आप को भूल गया, इसीलिए 'पुणे' के राजस्थानी रहवासियों की मांग पर 'मैं भारत हूं फाउंडेशन' अंतर्राष्ट्रीय संस्थान परिवार ने 'राजस्थान स्थापना दिवस' के उपलक्ष पर ३० मार्च २०२६ को 'पुणे' ही नहीं महाराष्ट्र के इतिहास में प्रथम बार समस्त राजस्थानी परिवार (३६ कोम) के साथ मिलकर ऐसा भव्यातिभव्य 'भारतीय संस्कृति का समागम' कार्यक्रम का आयोजन करवाया, जो कि महाराष्ट्र की संस्कृति के ऐतिहासिक पन्नों में शुमार हो गया।

बतादें कि पुणे के 'गणेश क्रीड़ा संकुल' में आयोजित 'आपणों राजस्थान' कार्यक्रम में 'पुणे' के राजस्थानी समाज, विशेषकर महिलाओं व बच्चों ने अपनी प्रतिभाओं को दिखाते हुए ऐसी- ऐसी प्रस्तुतियां नृत्य व नाटिका के माध्यम से दी, सभागार में बैठे दर्शकों का मन ही नहीं मोहा, तालियों की गढ़गढ़ाहट भी बटोरी।

वर्ष २०२६ को भारत के सभी राज्यों में रहने वाले तीर्थंकर महावीर के भक्तों ने 'महावीर जन्म कल्याणक' धूमधाम से मनाया, अहिंसा की जय जयकार करते हुए एक ही नारा 'भारत है हमारा, गौभक्तों को है प्यारा' महावीर के भक्तों ने यह भी कहा कि अब हम सभी विभिन्न पंथों के पंथावलंबी एक ही नारा गुनगुनाएगें कि 'हम सभी जैन हैं' २४ वें तीर्थंकर महावीर के अनुयायी हैं, क्योंकि हम भारतीय हैं और भारतीय जनगणना के धर्म के कॉलम में 'जैन' लिखेंगे, और कहेगें कि गौमाता हम सबकी है।

भारत को केवल 'भारत' ही बोलेंगे और गौमाता को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान दिलाने के लिए हम सभी एकत्रित होकर कार्य करेंगे।

जय जिनेंद्र! जय भारत!

SBI — for payment

HDFC BANK — for payment

आपका अपना
जैन एकता का सिपाही
बिजय कुमार जैन

वरिष्ठ पत्रकार व सम्पादक
हिंदी सेवी-पर्यावरण प्रेमी
भारत को भारत ही कहा जाए
का आव्हान करने वाला एक भारतीय
मो.९३२२३०७९०८

जीयो और जीने दो के विचारक भगवान महावीर स्वामी के
जन्म कल्याणक पर्व पर हार्दिक शुभकामनायें

RHJ
Since 1961

RAMESHKUMAR HAMERLAL JAIN

TOTAL METAL RECYCLERS
DEVELOPERS, MINING & MFG. METAL SALTS

EXTRUDERS OF COPPER & COPPER ALLOYS, ALUMINIUM & ALUMINIUM ALLOYS

● Head Office ●

111/119, Thakurdwar Road, Mumbai - 400 002.

● Corporate Office ●

A-55, New Empire Industrial Estate,
Kondivita Road, Andheri (E), Mumbai - 400 059
Email- info@rhjmetals.com

ASSOCIATE CONCERNS

RHJ Industries Pvt. Ltd.
RHJ Metals Pvt. Ltd.
Dhakad Metal Corporation
Sameer Industries
D.B. Granites

जीवों को कमलजीवन देने आए
तीर्थंकर महावीर के जन्म कल्याणक पर्व पर हार्दिक शुभकामनाएं

सुधान्शु कासलीवाल

वरिष्ठ अधिवक्ता, राजस्थान उच्च न्यायालय
अध्यक्ष, प्रबन्धकारिणी कमेटी,
दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी
जयपुर निवासी,
भ्रमणध्वनि: 9829050067

उमरावमल संघी

मानद मंत्री, प्रबन्धकारिणी कमेटी,
दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र,
श्री महावीरजी
भ्रमणध्वनि: 9829013061

Truly Indian brand with International style & design

Available at DUKE exclusive & leading garments stores across India / e-mail: sales@dukeindia.com / For Trade Enq.: 0161-5224024-25 /

Also at: dukeindia.com Myntra Flipkart amazon FASHION FACTORY TRENDS

जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!!

तीर्थंकर महावीर : जीवन परिचय

- च्यवन कल्याणक - आषाढ़ सुदी 6 (प्रातः देवलोक से आये)
- माता एवं पिता - महारानी त्रिशला एवं वैशाली नृप सिद्धार्थ
- चिन्ह (लांछन) - केशरी सिंह
- वंश/कुल/गोत्र - इक्ष्वाकु वंश/ज्ञातृ कुल/काश्यप गौत्र
- जन्म स्थान - बिहार प्रांत में स्थित-कुण्डलपुर
- जन्म कल्याणक - चैत्र शुक्ला 13, विक्रम पूर्व 542/30 मार्च ई.पू.599, अर्द्धरात्रि
- देहवर्ण/देहमान/चिन्ह - सुवर्ण वर्ण/ केशरीसिंह
- जन्म-नाम - राजकुमार वर्धमान
- इन्द्र द्वारा प्रदत्त नाम - महावीर के नाम से अलंकृत
- अन्य नाम - सन्मति, ज्ञातपूत्र, नाणपुत, वीर, अतिवीर, श्रमण, मतिमान, निर्ग्रन्थ, वर्धमान
- भाई-बहन - राजकुमार नंदीवर्धन एवं बड़ी बहन सुदर्शना
- अन्य परिजन - चाचा : सुपार्श्व, मामा : चेटक,
- पुत्री - प्रियदर्शना, जमाताः जमाली
- विवाह - नृप समरवीर की राजकुमारी : यशोदा के साथ (श्वेताम्बर मतानुसार)
- गृहवास/कुमार अवस्था - 28 वर्ष / 30 वर्ष
- राज्य अवस्था - राज्यकाल नहीं
- वर्षीदान - प्रतिदिन एक करोड़ आठ लाख स्वर्ण मुद्रा/ कुल 399 करोड़ एवं अस्सी लाख स्वर्ण मुद्रा
- दीक्षा कल्याणक - मृगसर वदी 10 ई.पू.569 विक्रम पूर्व 512 तीस वर्ष की तरूणाई में राज्य एवं समस्त वैभव का परित्याग करके अकिंचन भिक्षु बने
- दीक्षास्थल/दीक्षासमय - ज्ञातृखण्ड उद्यान में अशोक वृक्ष के नीचे/ मध्यान्ह में
- साथ में दीक्षित - कोई नहीं
- तपाराधना - साढ़े बारह वर्षों में केवल 11 माह और 19 दिन आहार ग्रहण किया
- दीक्षा तप - बेला दो उपवास
- दीक्षा प्रदाता (गुरू) - स्वयं
- प्रमुख सिद्धांत - सत्य, अहिंसा और अनेकांतवाद
- विचरण क्षेत्र - पूर्व एवं उत्तर भारत, विदेह जनपद, अंगदेश, काशीराष्ट्र, कुणालदेश, मगधदेश आदि
- दीक्षा पश्चात प्रथम - परमान्न खीर (बहुलद्विज के घर में) पारणे का द्रव्य
- साधनाकाल - साढ़े बारह वर्ष
- साधना काल में कष्ट - देव, दानव, मानव, पशुओं द्वारा उपसर्ग
- कैवल्योत्पत्ति - वैशाख सुदी 10 ई.पू.557 विक्रम पूर्व
- कल्याणक - ऋजु बालुका सरिता के किनारे जृंभिक नगरी के बाहर छद्मस्थ तप के अंतर्गत गोदु हासन में स्थित शालवृक्ष तले
- प्रथम धर्मोपदेश - मध्यम पावापुरी (अपापानगरी) के पवित्र प्रांगण में।
- प्रथम देशना का विषय - यतिधर्म, गृहस्थ धर्म, गणधरवाद
- धर्मोपदेश की भाषा - अर्द्धमागधी प्राकृत (जनसाधारण की भाषा)
- द्वितीय देशना - पावापुरी के महासेन उद्यान में
- विशेषोपलब्धि - एक ही दिन में मध्यम पावापुरी नगर के प्रांगण में 4411 मुमुक्षुओं को अर्हत् धर्म में दीक्षित करना
- कुल चातुर्मास/प्रथम एवं अंतिम चातुर्मास - 42 चातुर्मास/अस्थिकग्राम आश्रम में प्रथम एवं हस्तिपाल राजा की राजधानी पावापुरी में अंतिम चातुर्मास
- प्रथम शिष्य - इंद्रभूति (गौतमस्वामी)
- प्रथम शिष्या - राजकन्या चन्दनबाला
- शिष्य परिवार - गौतम प्रमुख चौदह हजार जिनमें चारों वर्ण के मुमुक्षु शिष्य रूप में सम्मिलित थे
- शिष्या परिवार - आर्या चन्दबाला आदि छत्तीस हजार, जिनमें सभी वर्ग की विदुषी एवं बालिकाएं थी
- प्रमुख श्रावक - आनंद, कामदेव,सद्दाल पुत्र आदि एक लाख उनसठ हजार व्रतधारी श्रावक
- श्राविका समाज - जयंति, सुलसा, रेवती आदि तीन लाख 18 हजार
- प्रमुख भक्तराजा - मगध नरेश बिंबसार (श्रेणिक), वैशाली नरेश चेटक, अवंतिनरेश चंड
- संयम जीवन - बयालीस वर्ष, आयुष्य बहत्तर वर्ष
- निर्वाण कल्याणक - ई.पू.527 विक्रम पूर्व 470 कार्तिक कृष्ण अमावस्या को पावापुरी में हस्तीपाल राजा की दानशाला में दो उपवास की स्थिति में पर्यंकासन में उपदेश देते-देते मध्यरात्रि को निर्वाण।
- तीर्थंकर पार्श्वनाथ एवं महावीर के मध्य अंतरकाल - 250 वर्ष का

आइये हम सभी 'जय जिनेन्द्र' के साथ 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!
INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए
Remove INDIA Name From The Constitution
INDIA GATE का नाम 'भारतद्वार' लिखवायें

India's Leading Brand in Ghee and Oil
NAKODA®
Pure Ghee, Edible Oils & More...
NAtural KhaO... Dilse Apnao...™
SATTVIK VERIFIED
VEGETERIAN & JAIN
QUALITY ASSURANCE
NAKODA
Experience the Treasure of Purity
GOLD
DESI COW GHEE
Bilona Special
NAKODA
Experience the Treasure of Purity
SILVER
PURE GHEE
Bilona Special
परंपरा की खुशबू, Royal स्वाद
Nakoda Bilona Ghee
NAKODA GOLD
Bilona Desi Cow Ghee
NAKODA SILVER
Bilona Pure Ghee
also available on | Flipkart | amazon | www.nakodagheetel.com
89288 82457 / 85915 62269 / 89285 86181 / 91377 56585
GHEE AND OIL AVAILABLE IN ALL SIZE AT YOUR DOOR STEP
NAKODA TRUSTED QUALITY OVER 35 YEARS
M/s. KEWALCHAND VINODKUMAR
K.B. Products Pvt. Ltd.
Customer Care: +91 9819475175 | info@gheetel.com | /nakodagheetel
An ISO 22000:2018 & HACCP Certified Company

दीक्षा - आत्मा का पुनर्जन्म

प्रत्येक कर्म परम्परा में किसी न किसी रुप में दीक्षा का प्रचलन है, दीक्षा देने वाला गुरु होता है और शिष्य-वैरागी होता है दीक्षा लेने वाला, अतएव शिष्य को दीक्षित कहा गया है। ''दीक्षितं मौड्यम् शिष्यं च।'' प्राचीन धर्म शास्त्रों में दीक्षित शिष्य को 'अन्तेवासी' शब्द से भी पुकारा जाता था, अर्थ स्पष्ट है, गुरु के निकट में निवास करने वाला। दीक्षित होने वाला कौन है? इस प्रश्न के उत्तर में जाकर, दीक्षित होने वाले का मावोलपाठ क्या है, चिन्तन-दिशा क्या है? अगर ये सब है तो वह दीक्षा का यथार्थ पात्र है। दीक्षा के चिन्तन पाठ में ''अप्पाणं वोसिसीम'' वाक्य का प्रयोग किया जाता है, इसका अर्थ है कि पहले के जाति आदि से सम्बन्धित जितने भी विकल्प थे, वे सब आज से विसर्जित कर दिए गए हैं, दीक्षा एक प्रकार से आत्मा का पुनर्जन्म है।

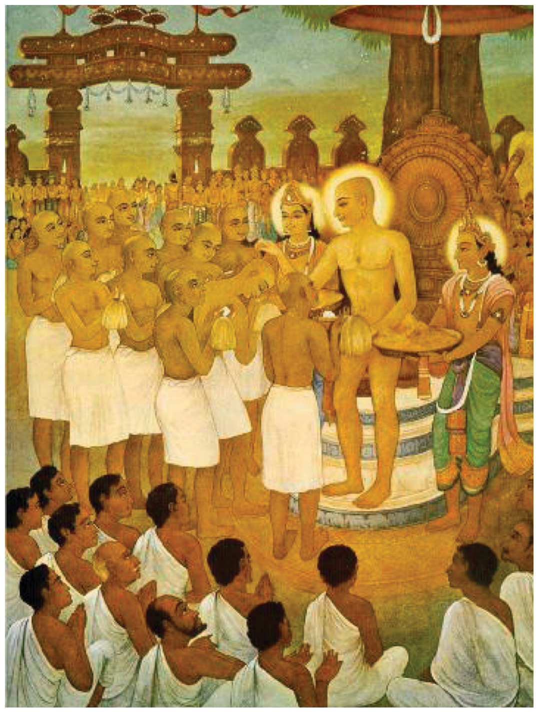

गौतम जैसा महान ज्ञानी भी महावीर के आगे दीक्षित होता है और दूसरी ओर 'मा रुष मा तुष' जैसा एक साधारण छोटा सा वाक्य भी याद न करने वाला और उसे भूलकर 'मास्तुष' बना देने वाला, मूढ़ अज्ञानी शिष्य भी दीक्षित होता है।

'मा-रुष मा-तुष' का अर्थ है- प्रतिकूलता के होने पर भी रोष न करें, शिकायत न करें। अनुकूलता के होने पर भी संतोष-प्रसन्नता रखें और अहंभाव न करें, कितना सुंदर भाव है। चार अक्षरों में दीक्षा का सर्वस्व समा गया है किन्तु वह विचार क्या करे? 'मास्तुष' का अर्थ है-उड़द पर का छिलका। आप हंसेगें कि यह कैसा शिष्य और उस मूढ़ को दीक्षा देने वाला गुरु भी कैसा? परन्तु 'मास्तुष' अपने मन से शुद्ध भाव से रहने वाला भी अन्तत: केवल ज्ञान प्राप्त करता है, जैन धर्म शब्दों पर उतना नहीं, जितना कि भाव पर स्थित है, प्राय: सभी धर्म भी भाव पर ही टिके हुए हैं, अगर मन में शुद्ध भाव नहीं है तो कुछ भी नहीं होने वाला-मिलने वाला, सिर्फ समय की बर्बादी है।

दीक्षित से एक मात्र अपेक्षा है-अन्तर दीप बुझने न पाये साधना का। जैन-शासन रुढ़िवादी नहीं है, किसी एक शब्द-खूंटे से बंधा हुआ विचार, झूठ, पशु नहीं है, यह ग्राम तलैया की बजाय निरन्तर प्रवाहित रहने वाली पावन-गंगा है।

अति से बचो, अमृत-शहद घी भी अति से घातक विष हो सकता है। विष भी उचित मात्रा में औषधि जीवन रस का दाता है। दीक्षा का अर्थ केवल कुछ बंधी-बंधायी व्रतावली को अपना लेना नहीं है। तीर्थंकर महावीर के अनुसार, यह सब तो बाहर की बाते हैं, वातावरण बनाये रखने के साधन हैं 'लोग लिंगस्य ओयणं' दीक्षा का मूल विषय तो है - परम तत्व की खोज। मैं चाहता हूँ कि आज का साधु-साहसी समाज दीक्षा के मूल वैराग्य को स्पष्टता के साथ उपस्थित करे। मैं सुनता हूँ, साधुओं के उपदेश की घिसी-पिटी एक पुरानी सी परम्परागत प्रचलित भाषा.....

''संसार असार है, कोई किसी का नहीं है, सब स्वार्थ का माया जाल है, नरक में ले जाने वाले हैं, जीवन में सब और पाप ही पाप है, अत: छोड़ें! यह सब प्रपंच।

एक दिन तो यह सब छोड़ना ही है, फिर आज ही क्यों न छोड़ दें, सब ओर झूठ का पसारा है, परिवार से, समाज से, सबसे सम्बन्ध तोड़ो, वैराग्य ग्रहण करो, दीक्षा लो''।

यह तोता रटत भाषा है, जिसे कुछ भावुक मन सही समझ लेते हैं और आँखें मूंद कर गुरु के पास वैरागी बनकर रहने लगते हैं, जब तक दीक्षा पक्की नहीं हो जाती, तब तलक वैरागी को बड़े प्यार, लाड, दुलार से रखा जाता है, खिलाया जाता है अच्छे-अच्छे घरों में घुमाया जाता है, बड़ी-बड़ी गाड़ियों में ताकि वैरागी को अपने घर की याद न आये और वो किसी न किसी तरह दीक्षा लेकर साधु-साध्वी बन जाये, गुरु की बातों में आकर साधु-साध्वी बन जाते हैं, परन्तु वस्तुत: होता क्या है **शेष पृष्ठ १६ पर...**

संसार के हर प्राणि 'सुखी' रहें, सभी जैन पंथी 'मिलकर' रहें
महावीर जन्म कल्याणक पर्व पर हार्दिक शुभकामनाएँ

Hirachand Rakhecha jain
(Manager)
Mob: 9752150430

Anand public school Dondi lohara jila,
Balod , Bharat- 491771

जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!!

आइये हम सभी 'जय जिनेन्द्र' के साथ 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!
INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए
INDIA GATE का नाम 'भारतद्वार' लिखवायें
Remove INDIA Name From The Constitution

३० मार्च पुणे रहवासियों के लिए एक यादगार दिन बन गया

पुणेः भारत का ही एक राज्य महाराष्ट्र में स्थापित सांस्कृतिक नगरी 'पुणे' के गणेश क्रीड़ा संकुल के विशाल सभागार के मंच पर 'पुणे' के भारतीय संस्कृति से रमे बच्चे, महिलाएं, पुरुष ने अपनी प्रतिभाओं को दिखाते हुए राजस्थान की विशालताओं का गुणगान, नाटिकाओं के द्वारा प्रस्तुति ही नहीं दी, देश का नाम एक ही रहे 'भारत' और गौमाता को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान मिले, अभियान की सफलता के साथ विशाल सभागार को गूंजायमान कर दिया, इस गूंज को सुनने के लिए राजस्थान सरकार के नगर विकास एवं स्वायच शासन विभाग राज्यमंत्री झाबरसिंह खर्रा व सामाजिक न्याय एवं आधिकारिक विभाग राज्यमंत्री अविनाश गहलोत भी पधारे थे।

३० मार्च की सुबह १०:४५ पर विश्वचर्चित राम मंदिर अयोध्या के कोषाध्यक्ष गोविंददेव गिरी जी ने पधारकर अपना आशीर्वचन प्रदान किया और कहा कि 'मैं भारत हूं फाउंडेशन' द्वारा निर्मित अभूतपूर्व नाटिका 'विक्रम संवत्' पुणे निवासियों द्वारा अभिनीत प्रस्तुति को देख, अपने सात्विक प्रवचन से सभागार में उपस्थित पुणे निवासियों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि 'मैं भारत हूं फाउंडेशन' के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिजय कुमार जैन की अभूतपूर्व राष्ट्रीय सोच 'भारत को केवल 'भारत' ही बोलना चाहिए, इस अंतरराष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में कहा कि मैं तो अपने देश को केवल 'भारत' ही बोलता हूं और राष्ट्रमाता का सम्मान 'गौमाता' को प्राप्त होना ही चाहिए।

कार्यक्रम की सफलता के लिए 'मैं भारत हूं फाउंडेशन' की राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्रीमती निशा लड्ढा कोलकाता, राष्ट्रीय सांस्कृतिक मंत्री रवि जैन मुंबई, वर्षा मुंदड़ा कोलकाता, पिंकी शर्मा मुंबई, डॉ अल्पना गंगवाल मालेगांव, गौरी वानखेड़े पुणे-हैदराबाद आदि का भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ।

आयोजित समारोह में पुणे निवासी शशीकांत जी पेढवाल (अमिताभ बच्चन) ने फिल्म उद्योग के बादशाह बिग बी अमिताभ बच्चन द्वारा अभिनीत फिल्मों के संवादों की हू-ब-हू प्रस्तुति देकर तालियों की गड़गड़ाहट बटोरी।

बतादें कि कार्यदिवस होने के पश्चात भी सोमवार ३० मार्च को सैकड़ों की संख्या में उपस्थित पुणे निवासियों के द्वारा विभिन्न नाटिकाओं की प्रदर्शनी को देख भाव विभोर ही नहीं हुए, वरन विभिन्न भारतीय ऐतिहासिक उपलब्धियों को देख उपस्थित जनसमूह का ज्ञान बढ़ा, विशेषकर बच्चों की प्रस्तुति ने तो आश्चर्यचकित कर दिया, यहां यह बता देना उचित होगा कि विदेशों में भी बैठे भारतीयों के लिए युटुब व जूम के माध्यम से भारतीय संस्कृति का सम्मान बढ़ाने में भी संस्थान ने कोई कोताही नहीं बरती।

'राजस्थान दिवस' हम सबका है–यह किसी एक व्यक्ति या समूह तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे समाज का गौरव है।

यह दिन हर राजस्थानी के सम्मान, संस्कृति और परंपराओं का प्रतीक है। हम सभी का दायित्व है कि इसे मिलकर, एकजुट होकर और पूरे उत्साह के साथ मनाएं, समाज की खूबसूरती उसकी एकता में होती है, जब हम साथ चलते हैं, तो हर आयोजन अपने आप सफल और यादगार बन जाता है, इसलिए जरूरी है कि हम आपसी सहयोग, संवाद और समन्वय को प्राथमिकता दें।

➪ कभी-कभी समाज में कुछ ऐसे लोग भी होते हैं जो हर परिस्थिति में खुद को हर पक्ष से जोड़कर सजग और समझदारी से काम लेते हैं, ताकि हमारा ध्यान हमेशा समाज के हित और एकता पर बना रहे।

'राजस्थान स्थापना दिवस' जैसे सांस्कृतिक पर्व को हमें राजनीति या व्यक्तिगत मतभेदों से ऊपर रखकर देखना चाहिए, यह हमारी पहचान और संस्कारों का उत्सव है, जिसे सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ाना हम सभी की जिम्मेदारी है।

भविष्य में यदि एक से अधिक आयोजन हों, तो आपसी समझ और तालमेल के साथ समय और व्यवस्था तय की जा सकती है, ताकि हर कार्यक्रम सफल हो और समाज की एकता और मजबूत बने।

३० मार्च 'राजस्थान स्थापना दिवस' को अभूतपूर्व प्रस्तुत कार्यक्रम 'भारतीय संस्कृति का समागम' की सफलता का श्रेय कोहिनूर ग्रुप के संस्थापक कृष्ण कुमार जी गोयल, गंगा गोयल परिवार की संस्थापिका गीता जयप्रकाश गोयल, मित्तल उद्योग से विजय जी मित्तल, प्रसिद्ध समाजसेवी व उद्योगपति आर.वी.बुबना जी मुंबई, महाराष्ट्र गौसेवा विभाग के अध्यक्ष शेखर जी मूंदड़ा, एडवोकेट व प्रसिद्ध समाजसेवी अभय जी छाजेड़, जैन इंटरनेशनल सेवा ऑर्गेनाइजेशन के संस्थापक सुरेश जी पुनमिया मुंबई, राजस्थान फाऊंडेशन मुंबई विभाग के अध्यक्ष गणपत जी कोठारी, सूर्यदत्ता इंस्टिट्यूट के संस्थापक डॉ संजय जी चौरडिया, महेश नागरी सहकारी बैंक के मैनेजिंग डायरेक्टर व सीईओ मगराज जी राठी, महेश बैंक के जुगराज जी पुंगलिया, महेश्वरी प्रगति मंडल पुणे के अध्यक्ष महेश जी सोमानी के साथ पुणे जिला के विभिन्न जैन संप्रदाय से जुड़े समाजसेवी अशोक जी पगारिया, विमल ताई बाफना, प्रोफेसर सुरेखा कटारिया, दाधीच समाज से जेठमल जी दाधीच आदि आदि से मिले आर्थिक सहयोग ने यह प्रभावित किया कि अब महाराष्ट्र से उठी यह गूंज 'एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' व गौमाता बनें राष्ट्रमाता का आह्वान भारत से ही नहीं, विश्व में फैले भारतीयों का भी साथ मिलेगा, ऐसा विश्वास उपस्थित पुणे निवासियों को हो गया।

भव्यातिभव्य कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना भूतपूर्व योगदान देने वालों को मैं पुणे निवासी मंजू अग्रवाल 'अग्र माधवी महिला मंडल एवं श्री श्याम परिवार पुणे' की संस्थापिका निवेदन करती हूँ कि 'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' व गौमाता बनें राष्ट्रमाता के अभियान को सफल बनाने में उपस्थित होकर अपना सहयोग व मार्गदर्शन दें ताकि विश्व के मानचित्र १४० करोड़ भारतीयों के देश का नाम जहां INDIA लिखा हुआ है, वहां पर केवल 'भारत' ही लिखा जाए और हम सबकी गौमाता को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान भारत में मिल सके।

आइए, हम सभी मिलकर संकल्प लें कि आने वाले हर 'राजस्थान दिवस' को एकता, भाईचारे और गर्व के साथ मनाएंगे–ताकि हमारी पहचान और भी मजबूत हो।

शेष पृष्ठ १८ पर...

भारत को केवल BHARAT ही बोला जाए अभियान में क्या आप सहयोग देना चाहते हैं तो संपर्क करें-9322307908
Follow for More Updates
https://www.instagram.com/mainbharathun_?
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
https://www.instagram.com /mainbharathun_?

राष्ट्रमाता बनें
निवेदकः मैं भारत हूँ फाउंडेशन

मैं भारत हूँ फाउंडेशन
भारत को 'भारत' ही बोला जाए
www.mainbharathun.co.in

जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!!

३० मार्च २०२६ राजस्थान स्थापना दिवस पुणे की चित्रित झलकियां

जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!!

पृष्ठ १२ से ... दीक्षित होने के बाद। पंथ-परम्पराओं और सम्प्रदायों के नए-परिवार खड़े हो जाते हैं, राग-द्वेष के नये बन्धन आ धमकते हैं, अपने घर में सुख-चैन से रह रहा वैरागी मजबूत खूटे से बांध दिया जाता है, क्या राहत मिलती है खूंटा बदलने से, कुछ दूर चल कर बहुत शीघ्र ही वह अनुभव करने लगता है कि जिस समस्या के समाधान के लिए मैं यहाँ आया था, वही समस्या यहाँ पर भी है। वही स्वार्थ, वही दंश, वही अधंकार, वही घृणा और है वही द्वेष। कुछ भी तो अन्तर नहीं है, कहाँ आन फंसा मैं? परिणाम स्वरुप अनेक दीक्षितों से कभी-कभी सुनने को मिलता है कि क्या करें? साधना तो हो रही है, पर वह सब ऊपर-ऊपर से हो रही है, भीतर में कोई परिवर्तन नहीं, कोई नई उपलब्धि नहीं, इस प्रकार एक दिन वह प्रसन्नचित्त वैरागी अपने में एक गहरी विभक्ति अनुभव करने लगता है।

आज की साधु-संस्था के समक्ष यह एक ज्वलंत समस्या है, इसलिए साल-दो साल बाद सभी साधुओं-साध्वियों का एक महासम्मेलन आचार्य श्री, युवा आचार्य श्री के नेतृत्व में होते रहना चाहिए, ताकि जो साधु-साध्वी अपने साधक जीवन में खुश नहीं है, वह अपनी बात को सबके सामने रख सके। परिवार, समाज में से बाहर निकल कर दीक्षा लेने का अर्थ परिवार तथा समाज से घृणा नहीं है, खिन्नता नहीं है, अपितु वह तो आत्म सेवा है। परमात्म-तत्व को खोजना और पा लेना ही साधना का मुख्य लक्ष्य है। दीक्षार्थी अपने अन्दर शुद्धत्व के लिए और बाहर समाज के शुभत्व के लिए प्रयत्नशील होता है।

प्रत्येक कर्म परम्परा में किसी न किसी रुप में दीक्षा का प्रचलन है। दीक्षा देने वाला गुरु होता है और शिष्य-वैरागी होता है, दीक्षा लेने वाला, अतएव शिष्य को दीक्षित कहा गया है।

"दीक्षितं मौड्यम् शिष्यं चा।" प्राचीन धर्म शास्त्रों में दीक्षित शिष्य को 'अन्तेवासी' शब्द से भी पुकारा जाता था, अर्थ स्पष्ट है, गुरु के निकट में निवास करने वाला।

दीक्षित होने वाला कौन है? इस प्रश्न के उत्तर **शेष पृष्ठ १८ पर...**

जीयो और जीने दो के विचारक तीर्थंकर महावीर के
जन्म कल्याणक पर्व पर हार्दिक शुभकामनायें

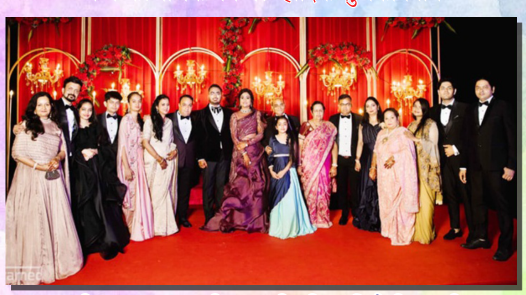

श्रीमान पदमचन्दजी श्रीमती शान्तिदेवी पाटनी
संजयकुमार-शालिनी, सुमित-रितिका, (पुत्र एवम् पुत्रवधु)
रजत-सिमरन (पोत्र एवम् पोत्रवधु), प्रतिक्षा, दिशा, नव्या (पोत्री)
प्रतिभा-श्रवण सेठी, पूनम-निरेन पाण्ड्य(पुत्री एवम् जवाई)
तनिष, वीर, संचय (दोयता) याशी (दोयती)
एवं समस्त पाटनी परिवार
सिद्धर्थ रेजीडेन्सी, छत्रीबाड़ी, पल्टन बाजार, गुवाहाटी, आसाम, भारत

पदमचंद पाटनी जैन

सेठी सदन, मेघदूत सिनेमा के पास, तीसरा माला, पलटन बाजार, गुवाहाटी, आसाम, भारत-७८१००१
दूरध्वनि :०३६१-२५१७९५७ भ्रमणध्वनि : ०९४३५५५११११, ९८६२००९६११

सोहनी मोटर्स

(ए एम डी ऑफ टीवीएस मोटर को. लि. पुजा एन्क्लेव, धारापूर, चराईली, गुवाहाटी, आसाम, भारत-७८१०१७

जीयो और जीने दो के विचारक
तीर्थंकर महावीर के जन्म कल्याणक पर्व पर
हार्दिक शुभकामनायें

Padam Jain Soni & Family
Mob: 9320778228

PKJ & Co.

ASAP CORPORATE ADVISORS PVT.LTD.
OFFICE : 002, Gulmohar Com., Station Road,
Goregaon East, Mumbai, Maharashtra, Bharat- 400063
Tel: 9819472226
E-mail: padam.jain@pkjca.com
Branch office:
804, Horizon Tower, Jewel of India, J L N Marg,
Opp. Jaipur Stock Exchange, Jaipur-302018
Tel: 8879446599

जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!!

आइये हम सभी 'जय जिनेन्द्र' के साथ 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!
INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए
INDIA GATE का नाम
Remove INDIA Name From The Constitution
'भारतद्वार' लिखवायें

सारा जमाना पदम जैन का दीवाना

हजारों परिवारों को रिश्तों में जोड़ने वाले पदमचंद जैन का हर कोई दीवाना

वैवाहिक दुनिया के बेताज बादशाह के रूप में सुप्रतिष्ठित पदमचंद जैन की आज दुनिया दीवानी है। दुनिया जिन उद्योगपतियों, फिल्मी सितारों की दीवानी है, वे सारे पदमचंद जैन के दीवाने है। और हो भी क्यों नहीं? आखिर देशभर में अब तक नामी-गिरामी परिवारों को आपस में वैवाहिक रिश्तों में जोड़ने का कीर्तिमान जो स्थापित किया है। जयपुर में एक शादी के आयोजन में जीतो के श्रेष्ठीवर्य से मुलाकात हुई। इनमें तारक मेहता का उल्टा चश्मा के फेम शैलेष लोढा, शेयर मार्केट के दिग्गज मोतीलाल ओसवाल, प्रमुख बिल्डर सुभाष रूणवाल, सेलो ग्रुप के प्रदीप राठौड, इन्स्पीरा के प्रकाश जैन, डॉ. सुरेन्द्र जैन युएसए, प्रकाश कानुगो, तेजराज गुलेच्छा, किशोर खाबिया, राकेश मेहता, शांतिलाल कवाड़, संदिप बाफना सहित अनेक दिग्गजों से मुलाकात हुई। पदमचंद जैन ने अपनी चिर परिचित शैली में सभी का आत्मीय स्वागत किया। रूणवाल परिवार में वैवाहिक आयोजन के अवसर पर परिवार को बधाई दी। पूरे भारत में ओसवाल जैन बच्चों के वैवाहिक बायोडेटा के लिए पदमचंद जैन एक जाना-माना नाम है। राजनीति, प्रशासनिक, समाजसेवी, ब्यूरोक्रेटस उद्योगपति, सहित हर क्लास परिवार के बच्चों के बायोडेटा उपलब्ध है। सच में इतनी दीवानगी देखी नहीं कहीं। हर जुबां पर पदमचंद जैन का नाम।

▪ आपके सपनों को पूरा करने वाली टीम ▪

आईजेवीओ यानी पदम परिवार की यह टीम आपके बच्चों के लिए तलाशती हैं एक-से-बढ़कर एक सुंदर रिश्तों वाला बायोडाटा

दुल्हन वही जो पिया मन भाए, बहु वही जो सास मन भाए

रिश्तों के बेताज बादशाह **पदमचंद जैन**

।। श्री पार्श्वनाथाय नमः ।।

रिश्तों का मंडप आई जे वी ओ

विश्वस्तरीय ओसवाल-दिगम्बर जैन एवं वैश्य समुदाय के 8 हजार से अधिक वैवाहिक रिश्ते करवाने का गौरवशाली कीर्तिमान स्थापित

9314510196 / 9602623456

FCP JITO
पदमचंद जैन

प्रोफेशनल, सीए, पायलट इंजीनियर, आईएएस, आईपीएस, आरएएस, फिल्म, राजनैतिक क्षेत्र के अलावा हर वर्ग और क्षेत्र में कार्यरत युवा-युवतियों के लिए जांचे परखे वैवाहिक रिश्तों का खजाना

1 जून से 2000 से सतत आपकी सेवा में तत्पर

IJ VO

जैन - वैश्य वैवाहिक रिश्तों का आखिरी पड़ाव

एक छत के नीचे उपलब्ध सेवाएं

वैवाहिक-रोजगार, छात्रवृत्ति, विधवा पेंशन, मेडिकल हेल्प, प्रशासनिक एवं कानूनी सलाह, धार्मिक एवं सामाजिक क्षेत्र में सदैव अग्रणी सहयोगी

इंटरनेशनल जैन एवं वैश्य ऑर्गनाइजेशन

1662-बी, ए.पी. अपार्टमेंट, मोतीडूंगरी रोड, जयपुर-04

फोन : 0141-2602626

अपनों से हो अपनों का रिश्ता

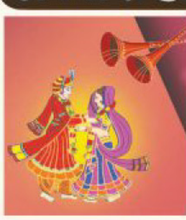

इस केन्द्र की स्थापना से लेकर अब तक लगभग 50 हजार से अधिक वैवाहिक रिश्तों के बायोडेटा आ चुके हैं और निरंतर वृद्धि हो रही है। इस केन्द्र के कम्प्यूटर फीड बायोडेटा में बड़ी आसानी से मनवांछित रिश्ते के लिए बायोडेटा पलक झपकते ही उपलब्ध हो जाते हैं। देश में आज इतना बडा नेटवर्क कहीं देखने को नही मिलता जहां सभी बायोडेटा वेरीफाईड हो अर्थात प्रत्येक बायोडेटा की पूर्ण सूक्ष्मता से जांच की जाती है, उसके बाद ही बायोडेटा प्रोसेस में अग्रेषित होते हैं। इस केन्द्र में देश-विदेश के जैन-वैश्य समुदाय के हर क्षेत्र के युवक-युवतियों के वैवाहिक बायोडेटा उपलब्ध हैं। भारतीय प्रशासनिक सेवा हो, सी.ए. हो, आई पीएस हो या राजनीति, समाजसेवा के क्षेत्र से हो, देश का ख्यातनाम औद्योगिक घराना हो या फिर मीडिया हो या फिल्मी क्षेत्र हर क्षेत्र के युवक-युवतियों के बायोडेटा का नायाब खजाना है। संकोच नहीं, सम्पर्क करें : पदमचंद जैन -

सेवा के सरोकार
छात्रवृत्ति
मेडिकल शिक्षा
रोजगार
विधवा पेंशन

उक्त आवेदकों की जानकारी पूरी तरह से गोपनीय रखी जाती है।

अशोक सिरोया	चंद्रराज सिंघवी	डॉ. प्रकाश गोलेछा	नरेन्द्र कुमार जैन	बसंत जैन	संजय जैन	सुरेन्द्र कुमार जैन
अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष	राष्ट्रीय अध्यक्ष	योजना मंत्री	राष्ट्रीय अध्यक्ष, यू.विं	राष्ट्रीय संघटन मंत्री	कोर्डिनेटर	राष्ट्रीय प्रचार मंत्री

सेवा के पथ पर अग्रसर टीम आईजेवीओ

1662-बी, ए.पी. अपार्टमेंट, वैभव लॉन के पास, हनुमान मंदिर के सामने, मोतीडूंगरी रोड, जयपुर-04

फोन : 0141-2602626 / 4010196 email: neerapadamjain@gmail.com

जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!!

पृष्ठ १३ से ... **प्रस्तुत निम्र पुणे की प्रतिमाओं से आपणो राजस्थान कार्यक्रम सफलतम हो पाया**

निशा मुंदडी	सुषमा राठी	दिप्ती भूतडा	अंशुल मालपाणी	अर्चना अग्रवाल
सुहानी राठी	**सुनीता मित्तल**	प्रियंका पुंगलिया	प्रतिभा बिर्ला	कीर्ति अग्रवाल
राजेश राठी	श्रेया कनोडिया	**संगीता चौधरी**	डॉ.पूर्णिमा काबरा	आरती अग्रवाल
कीर्ति काबरा	दीपा गोयल	सुखदेव चारण	**सोनल फोफलिया**	रेणुका अग्रवाल
लता भूतड़ा	श्वेता अग्रवाल	जिवाराम चौधरी	स्मिता मालानी	**चंदा वर्मा**
शांता टावरी	प्रीति गोयल	प्रियंका गेहलोत	पूजा तापडिया	सुनीता वर्मा
संगीता लाहोटी	नीलम अग्रवाल	पिंकी परिहार	दिप्ती भुतडा	बिना वर्मा
लीला मालू	**पूजा लुंकड**	वर्षा भाटी	पूज्यता काबरा	सविता वर्मा
निशा सोनी	शीतल गांधी	**कल्पना हेडा**	तेजल मालपाणी	रेखा वर्मा
दीपाली राठी	सविता कर्नावट	पूनम झंवर	**मंजू अग्रवाल**	ओमकवरी वर्मा
सोनल पोफलिया	मंगल खींवसरा	कांचन हेडा	खुशबु सोनी	**प्रियंका पुगलिया**
अर्चना लखोटिया	अलका कोठारी	राखी गोयल	पूनम अग्रवाल	उमा बाहेती
सुशीला चांडक	शिल्पा गांधी	यशोदा राठी	रीता अग्रवाल	नेहा जाजू
सुनंदा धूत	**डॉ.नयना भराडीया**	पिंकी अग्रवाल	तन्वी केडिया	**आदि- आदि को**
शैला चांडक	पूजा लुंकड	**डिंपल हेडा**	संगीता अग्रवाल	**'मैं भारत हूँ फाउंडेशन'**
रामेशवरी जाजू	शीतल गांधी	सीमा जोशी	**सुनीता बंसल**	**परिवार की तरफ से**
नीता बंग	पिंकी अग्रवाल	उमा बाहेती	रोहिणी अग्रवाल	**कोटिशः धन्यवाद!**

पृष्ठ १६ से ... में जाकर, दीक्षित होने वाले का मावोलपाठ क्या है, चिन्तन-दिशा क्या है, अगर ये सब है तो वह दीक्षा का यथार्थ पात्र है, दीक्षा के चिन्तन पाठ में ''अप्पाणं वोसिसीम'' वाक्य का प्रयोग किया जाता है, इसका अर्थ है कि पहले के जाति आदि से सम्बन्धित जितने भी विकल्प थे, वे सब आज से विसर्जित कर दिए गए हैं, दीक्षा एक प्रकार से आत्मा का पुनर्जन्म है।

अहंता-ममताभावः, त्यक्तुं यदि न शक्यते
अहंता-ममता भावः, सर्वत्रैव विधियताम्

ममता का प्रकाश फैलना चाहिए, इतना प्रकाश की उसमें समस्त विश्व समा जाए। समस्त विश्व में रहने वालों के प्रति मैत्री भाव हो, उस पवित्र विचार के प्रकाश में ही आज साधुओं को दीक्षित करने की आवश्यकता है।

आज अपेक्षा है - अर्हत-दीक्षा के लिए साधक व्यर्थ के भेदों की श्रृंखला से मुक्त होकर स्वतन्त्र अपनी शुद्ध निर्धारित दिशा में अहो-याद रुप भावोल्लास के साथ यात्रा करें तथा जिन शासन की गरिमा को अधिकाधिक दीप्तिशील बनाएं, जीवन की क्षुद्र विकृतियों से ऊपर उठकर अन्तर में परमात्म-तत्व की खोज और उसके अंग-स्वरुप विश्व-मानवता की भलाई के कार्य करना, संक्षेप में, यही है मुनि दीक्षा का, साधुता का मंगल आदर्श, जहाँ त्याग होगा, एक-दूसरे के प्रति सहयोग की भावना होगी, वहाँ मानवीय-संस्कृति का विकास हो, यही उद्देश्य लेकर दीक्षा होनी चाहिए।

- बिजय कुमार जैन
वरिष्ठ पत्रकार व
संपादक

सत्य चर्चा का विषय नहीं, मोक्ष की सीढ़ी है: अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर

सुमति नाथ जिनालय में विराजमान अंतर्मना आचार्य १०८ श्री प्रसन्न सागर जी महाराज के सानिध्य में भक्ति और ज्ञान की त्रिवेणी बह रही है, प्रतिदिन तड़के ४:३० बजे आयोजित होने वाली 'दीप पूजा' में जन सैलाब उमड़ रहा है, वहीं गुरुदेव के मंगल प्रवचन भक्तों को आत्म-कल्याण का मार्ग दिखा रहे हैं। समाज के प्रवक्ता महेंद्र कवालिया ने जिनागम को बताया कि प्रातःकालीन सभा में आचार्य श्री ने 'सत्य' की महत्ता को प्रतिपादित किया। आचार्य श्री ने उद्बोधन में कहा कि सत्य केवल विमर्श का विषय नहीं, अपितु मोक्ष का सोपान (सीढ़ी) है। वाणी के महत्व की समझाते हुए इसके तीन भेद स्पष्ट किएः निजवाणीः जो स्वयं के व्यक्तिगत विचार हैं,

जनवाणीः जो लोक-मत या बहुमत की धारणा है।

जिनवाणीः जो तीर्थंकरों द्वारा प्रतिपादित शास्त्रों में अंकित है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि शास्त्रों में निहित सत्य को बिना तर्क और पूर्ण श्रद्धा के साथ स्वीकार करना ही वास्तविक धर्म है। वाणी में तनिक भी असावधानी मनुष्य को भारी क्षति पहुँचा सकती है, अतः बोलने से पूर्व चिंतन अनिवार्य है।

मानवता और सुखी जीवन के सूत्रः गुरुदेव ने मानवता और प्रेम का मर्मस्पर्शी संदेश देते हुए कहा कि प्यार परिचय को पहचान बना देता है, वीराने को गुलिस्तान बना देता है, पराया नहीं, अपनों का दर्द ही आदमी को इंसान बना देता है। आज के भौतिकतावादी युग पर कटाक्ष करते हुए जीवन को सुखी बनाने का मंत्र दिया:

संसारः यहाँ केवल सुख की चाह है, पर वास्तविक शांति भीतर है।

जीनाः वर्तमान में जीवन केवल 'भोग' में व्यतीत हो रहा है।

शरीरः संयम के अभाव में शरीर रोगों का घर बनता जा रहा है।

संबंधः अंततः वियोग निश्चित है, अतः मोह का त्याग करें।

संत समागमः यही आत्म-उपयोग और शाश्वत कल्याण का एकमात्र मार्ग है।

आचार्य श्री ने भक्तों का आह्वान किया कि यदि मनुष्य इन सूत्रों को अपने आचरण में उतार ले, तो वह जीवन की कठिनतम परिस्थितियों को भी सुगमता से पार कर सकता है। **-नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल, औरंगाबाद**

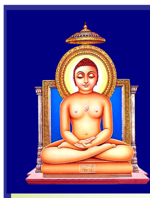

पावन दिन है आ गया, महावीर जन्म कल्याणक पर्व,
जैन एकता का वर माँग लो, फैले हमारा अहिंसा धर्म
जन्म कल्याणक उत्सव पर हार्दिक शुभकामनाएं

Dulichand Bokaria
Mob: 9435409629 / 9101901895 / 9435195585

OSWAL BROTHERS

Deals In: All Types of Household Kitchenware Crockery & Home Appliances

14-A, Suraj Market, H.B. Road, Fancy Bazar, Guwahati, Assam, Bharat-781001
अणुडाक: oswalbros14@gmail.com

संसार के हर प्राणि 'सुखी' रहें, सभी जैन पंथी 'मिलकर' रहें
महावीर जन्म कल्याणक पर्व पर हार्दिक शुभकामनाएँ

ASHOK KUMAR KOCHAR
Mob: 9004439107

3B/701, Shraddha Building, Opposite Celebration Hotel, Asha Nagar, Thakur Complex, Kandivali East, Mumbai, Maharashtra Bharat- 400101

जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!!

With Best Compliments

GURU RAJENDRA METALLOYS INDIA PVT LTD

G R METALLOYS PVT LTD

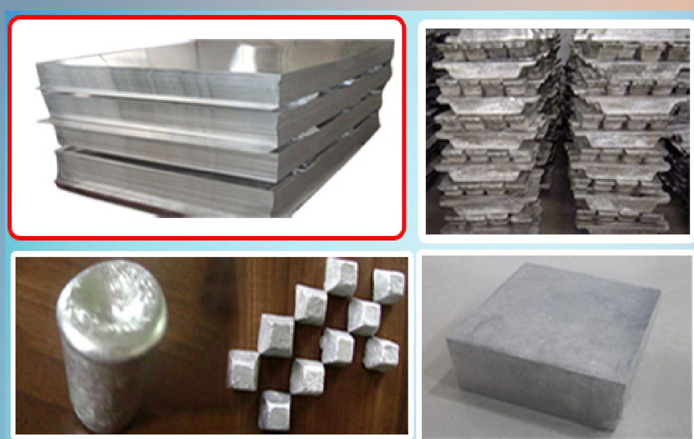

SHAH BABULAL DHANRAJJI JAIN

JAYANT BABULAL JAIN

SHAILESH BABULAL JAIN

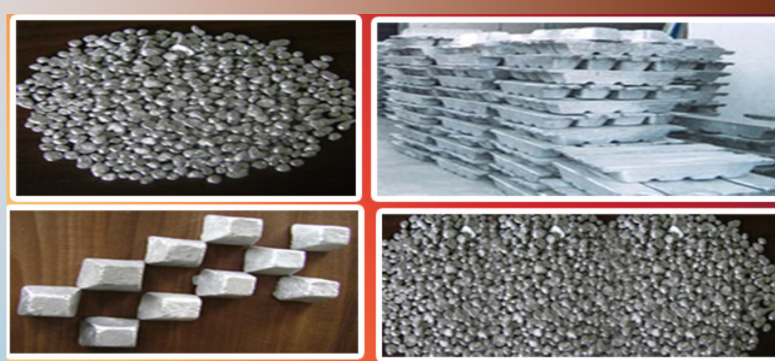

Manufactures of Aluminium Alloy Ingot, Aluminium Ingot, Aluminium Notch bar, Aluminium Shots, Aluminium Cubes

8, Gautam Vihar Society, Opp. Sukhsagar Complex, Aroma School Road,
Ashram Road, Usmanpura, Ahmedabad, Gujarat , Bharat– 380 013.

२००० दिव्यांग बच्चों के साथ मनाया गया पोंगल

चेन्नई: करुणा व दया संस्थान-काइंड जो एक पंजीकृत एजीओ व समाज के अत्यंत पिछड़े अनुभाग की सेवा करने वाला संस्थान है, के तत्वावधान में वाई एमसीए मैदान रायपेट्टा, चेन्नई में पोंगल का त्योहार मनाया गया, हर वर्ष इस संस्थान द्वारा दीवाली, पोंगल, क्रिसमस, स्वतंत्रता दिवस जैसे राष्ट्रीय त्योहारों को भगवान की कृपा से संपन्न विशेष बच्चों के साथ मनाया जाता है। संस्था का सिद्धांत हैं कि उन पिछड़े वर्ग के लोगों तक पहुंचना जहाँ कोई नहीं पहुंच पाए। चेन्नई में पहली बार अलग रूप से सक्षम २००० दिव्यांग बच्चों को उनकी माता पिता व परिवार के साथ आमंत्रित कर उनके मनोरंजन के रूप में शानदार सुगम संगीत, पारंपरिक करगाडूम, पोयकाल गुदीराई नृत्य, नादस्वरम, स्कूल बैंड व भरतनाट्यम वगैरह का आयोजन किया गया तथा स्वादिष्ट व्यजन खिलाया गया। प्रत्येक बच्चे को किराने का सामान और नए वस्त्रों से संपन्न १५०० रुपए मूल्य के गिफ्ट की टोकरी भी भेंट की गया, इस विशाल कार्यक्रम में भाग लेने वालों की संख्या लगभग ४००० थी, जिसमे सुप्रसिद्ध, अतिथिगण व मित्रगण शामिल थे, इस परियोजना का कुल व्यय लगभग ५० लाख था, जिसका प्रायोजन दयावान संरक्षकों समाज के भामाशाहों द्वारा किया गया, कार्यक्रम का आयोजन काइंड के संस्थापक ट्रस्टी व अध्यक्ष विमलचंद धारीवाल द्वारा किया गया। समारोह की अध्यक्षता नेमीचंद चोपड़ा, जैन कॉन्फ्रेंस, नई दिल्ली के पूर्वाध्यक्ष, विशेष अतिथि प्रभाकरन उच्चतम न्यायालय विकलांग अधिकार के वकील, श्री इग्नेशियस जेवियर, अहिंसा विचारक, सी एन रमेश, सामाजिक कार्यकर्ता, राजीव होटा भारतीय राजस्व सेवा पूर्व आयुक्त, पूना से पोपटलाल ओस्तवाल, मुम्बई से पारस छाजेड़, कोटा से डॉ सुधीर जैन, अंखलेश्वर से विनोद लोढा, जालंधर से डॉ. पुष्प जैन, राकेश जैन, पाली से जबरीलाल कांकरिया, अम्बाला से विनोदकुमार, बेंगलुरु से गौतमचन्द धारीवाल एवं चेन्नई से डॉ. उत्तमचन्द गोठी द्वारा निभाई गई। सुभाषचंद रांका, ट्रस्टी काइंड, एस विमलचंद धारीवाल, अध्यक्ष एवं संस्थापक ट्रस्टी काइंड, रंजीत बाफना, सचिव तथा राजेश लोढ़ा कोषाध्यक्ष व गणमान्य अतिथियों द्वारा पारंपरिक कुत्तुविलक्कु प्रज्जवलन के शुभ कार्य के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ, सभी के लिए मध्याह्न के भोजन का सात्विक प्रायोजन सुभाषचंद रांका ट्रस्टी काइंड द्वारा किया गया। पोंगल के सच्चे भाव पर जोर देने के उद्देश्य के साथ विशेष अतिथियों द्वारा झंडा मार्च प्रस्तुत किया गया। प्रख्यात तमिल साहित्यकार अलमेलु रामनाथन द्वारा संपूर्ण कार्यक्रम का संचालन सुंदर तमिल भाषा में किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि जाने माने फिल्म अभिनेता और राजनीतिज्ञ आर. सरत कुमार थे, जिनके प्रेरणादायक भाषण सभी दर्शकों का मन आकर्षित करनेवाला था। काइंड टाइम्स के संपादक एम राजेंद्रन चोराडिया ने तमिल में सामाजिक विषयों पर लिखी गई उनकी रचनाओं को आर सरत कुमार के करकमलों में समर्पित किया। कार्यक्रम को सफल व ऐतिहासिक बनाने में पदाधिकारियों, दानदाताओं, सभी सदस्यों के साथ मंत्री रंजीत बाफना, उपाध्यक्ष के वी सुन्दरम, कोषाध्यक्ष राजेश लोढ़ा, निरंजन सोलंकी, हस्तीमल, कमलेश, रिकब चोरडिया, ललित रांका, प्रवीण, आश्करण कोटेचा, पुनीत, अशोक नाहटा आदि २०० से भी ज्यादा कर्मठ कार्यकर्ताओं का विशेष सहयोग रहा, यह जानकारी गौतमचंद धारीवाल बेंगलूरु ने 'जिनागम' पत्रिका को दी है।

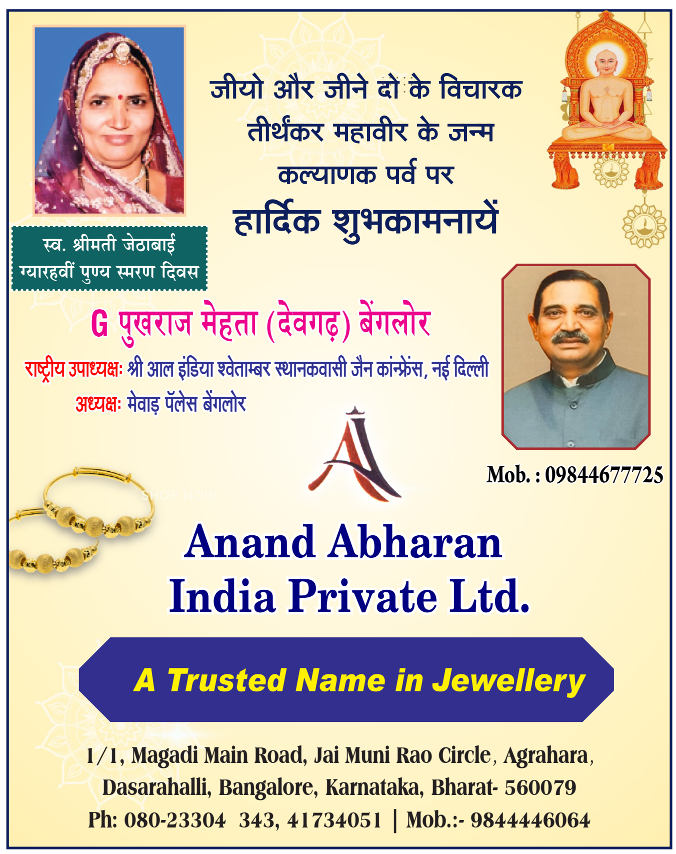

जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!!

'जिसो' द्वारा जैन एकता मंच का सशक्त संकल्प

मुंबईः महाअभियान कार्यक्रम मुंबई के गुलालवाडी स्थित गोड़वाड़ हाउस में अत्यंत उत्साह, ऊर्जा और एकता के भाव के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, इस अवसर पर जैन समाज के चारों प्रमुख संप्रदाय के प्रतिनिधि विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए जिसमें श्वेताम्बर समाज के बबुलभाई झवेरी जैन, प्रवीण छोगमलजी जैन, दिगम्बर समाज के जमनालाल हापावत जैन, आर. के. जैन हैदराबाद, तेरापंथ समाज के किशन डागलिया जैन गणपत कोठारी जैन, एवं स्थानकवासी समाज के अश्विन मेहता जैन, किशोर खाबिया जैन जैसे अग्रणी प्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

'जिसो' के फाउंडर चेयरमैन सुरेश पुनमिया ने अपने उद्बोधन में स्पष्ट कहा कि अब समय आ गया है जब संघों की रक्षा की सुरक्षा और श्रावकों के अधिकारों के लिए सभी संप्रदाय एकमंच पर आएं, सभी महानुभावों ने कॉमन मिनिमम प्रोग्राम का समर्थन करते हुए एकजुटता का संदेश दिया, इसी के साथ 'जैन एकता मंच' की ऐतिहासिक घोषणा की गई, अब भविष्य में सभी सकल जैन संघ एवं सभी राष्ट्रीय संस्थाओं के प्रतिनिधि एकसाथ मिलकर जैन एकता मंच के माध्यम से निरंतर कार्यक्रमों और जागरूकता अभियान के जरिए समाज में एकता की भावना को और मजबूत करेंगे, इस आयोजन ने पूरे समाज को यह सशक्त संदेश दिया कि समय की आवश्यकता को समझते हुए जैन समाज को 'जिसो' डिजिटल प्लेटफॉर्म से जुड़कर एकजुट होकर आगे बढ़ना होगा, कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने वर्तमान परिस्थितियों, विशेषकर घटती जनसंख्या एवं समाज के समक्ष उपस्थित चुनौतियों पर गंभीर चिंता व्यक्त की, उन्होंने कहा कि इनमें चुनौतियों का समाधान तभी संभव है जब संपूर्ण जैन समाज संगठित रूप से आगे बढ़े। जैन समाज जितना सशक्त बनेगा, उतना ही राष्ट्र भी सशक्त होगा, क्योंकि जैन समाज का राष्ट्र निर्माण में सदैव महत्वपूर्ण योगदान रहा है चाहे वह आर्थिक सहयोग (टैक्स), सामाजिक सेवा या देशहित के कार्य हों। कार्यक्रम में चेयरमैन सुरेश पुनमिया ने अपने उद्बोधन में पिछले १८ महीनों में 'जैन एकता' महाअभियान के अंतर्गत हुई विभिन्न गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी, उन्होंने कहा कि विभिन्न संप्रदायों के पूज्य गुरुदेवों के आशीर्वाद से इस अभियान को निरंतर आगे बढ़ाया गया है, जिससे चारों संप्रदायों के बीच विश्वास एवं सहयोग की भावना और अधिक सुदृढ़ हुई है, इस अवसर पर सभी संप्रदायों अग्रणी प्रतिनिधियों का एकमंच पर एकत्रित होना 'जैन एकता' का प्रेरणादायक उदाहरण बना।

वर्तमान को वर्धमान की जरुरत है
वर्तमान को 'जैन एकता' की जरुरत

BABULAL BACHHAWAT
Mob: 9339197962

SHANTI LAL JAIN
Mob: 9830063336

GUTTU AGRO FOOD PVT. LTD

46/1A, Strand Road (Gur Patty), Raja Katra, 1st Floor, Kolkata, West Bangal, Bharat- 700007

भारत को 'भारत' ही बोला जाए   एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

वर्तमान को वर्धमान की जरुरत है
वर्तमान को 'जैन एकता' की जरुरत

GULAB CHANAD BAFNA
Mob: 9330190093

G. C. Bafna & Co
Chartered Accountants

Branch Office
12, Amartalla Street, 3rd Floor, Room No. 315, kolkata, West Bangal, Bharat- 700001

Head Office
Eliza IV 75/76 B.B.D Road, Hindmotor, Bharat -712233

जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!!

महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव के तहत विविध प्रस्तुतियां

चित्तौड़गढ़: श्री महावीर जैन महिला मंडल द्वारा महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव के अंतर्गत विद्यासागर मांगालिक धाम में भव्य सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। मंडल अध्यक्षा कल्पना मेहता के अनुसार कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं मंगलाचरण के साथ हुई, इस अवसर पर समाज की महिलाओं एवं बच्चों ने आकर्षक एवं मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री महावीर जैन मंडल अध्यक्ष राजेंद्र दोशी उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में महासचिव सोहनलाल पोखरना, कोषाध्यक्ष नवीन पटवारी, पूर्व अध्यक्षगण, विभिन्न जैन संस्थाओं के पदाधिकारी तथा जैन प्रोफेशनल फोरम के डॉ. अरविंद सांखला मौजूद रहे। कार्यक्रम निदेशक राजेंद्र प्रसाद जैन के निर्देशन में आयोजित इस संध्या में मनोरमा अजमेरा, दिलखुश खेरोदिया, नम्रता गदिया सहित परामर्श मंडल की मधुमत्ता, उमा सुराणा, स्नेहा ढीलीवाल, ज्योति चंडालिया, संयोजक डॉ. प्रियंका ढीलीवाल, गरिमा डूंगरवाल एवं मोनिका कांठेड़ सहित अनेक कार्यकर्ताओं का सहयोग रहा। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के अंतर्गत विभिन्न महिला मंडलों ने तीर्थ बचाओ-धर्म बचाओ, जैन एकता, नारी शक्ति, समय का पहिया एवं महावीर के पांच नाम जैसे विषयों पर प्रभावशाली मंचन प्रस्तुत किए।

मंडल अध्यक्ष कल्पना मेहता ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य तीर्थंकर महावीर के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाना तथा समाज में सांस्कृतिक एवं धार्मिक जागरूकता को बढ़ावा देना है।
कार्यक्रम का संचालन पारुल भंडारी एवं तमन्ना जैन ने किया, जबकि अंत में महासचिव रजनी रांका ने आभार व्यक्त किया। आयोजन के दौरान उपस्थित दर्शकों के लिए लकी ड्रॉ भी निकाले गए।

डूंगरपुरः श्री जैन नवयुवक मंडल के तत्वाधान मे पांच दिवसीय जन्मकल्याणक महोत्सव में पद यात्रा, रक्तदान व रंगोली में श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव के साथ शिरकत की ओर कार्यक्रम को ऊंचाइयों पर पहुंचाया।
जैन नवयुवक मंडल के अध्यक्ष शैलेश मेहता के तत्वाधान में श्री नेमीनाथ मंदिर से वाद्ययंत्रों की मधुर स्वर लैरी पर भक्तों का टोला जब निकला तो वातावरण वर्धमान के जयकारों से गूंज उठा। पैदल यात्रा तहसील चौराहा, गैप सागर की पाल, पुराना हॉस्पिटल, कंसारा चौक, सोनिया चौक, घूमता बाजार माणक चौक, फौज का बडला होते हुए घाटी स्थित गंभीरा पार्श्वनाथ मंदिर में स्थित महावीर स्वामी मंदिर पहुंचा, जहां भक्तों ने देव दर्शन **शेष पृष्ठ २४ पर...**

जीयो और जीने दो के विचारक
तीर्थंकर महावीर के जन्म कल्याणक पर्व पर
हार्दिक शुभकामनायें

PAVAN KUMAR GADIA & FAMILY
Vimla Devi Jain
Pavan Kumar Jain- Madhu Jain
Rishabh Jain- Megha Jain
Master Hridham Jain
Andheri East, Mumbai
Email : pavankjain2001@yahoo.co.in

संसार के हर प्राणि 'सुखी' रहें, सभी जैन पंथी 'मिलकर' रहें महावीर जन्म कल्याणक पर्व पर हार्दिक शुभकामनाएँ

विनित चांदवाड़
Mob: 9314037392, 9828021195
चांदवाड़ फाइनेन्स ब्रोकर/प्रॉपटीज़
श्रीमती ललिता देवी चांदवाड़ धर्मपत्नी स्व. बृजेश कुमार चांदवाड़, वरूण-सोनिया, विनीत-रश्मि (पुत्र-वधु), वंश, रूहिका, भव्य, भावित, चांदवाड़ परिवार, सिद्धार्थनगर, जयपुर
७६९, बोरडी की रास्ता, किशन पोल बाजार, जयपुर, राजस्थान, भारत-३०२००४
निवास : ए-८६, सिद्धार्थ नगर, टोंक रोड, जयपुर, राजस्थान, भारत - ३०२०१७

जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!!

जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!!

पृष्ठ २३ से... के साथ धार्मिक क्रियाएं संपादित की, उस दौरान भक्ति

गीतों पर श्रद्धालु झूमे, पद यात्रा में सकल जैन समाज के धर्मप्रेमी उपस्थित थे, जैन सोसाइटी स्थित संभवनाथ जैन परिसर में डॉ राजेश सरैया के निर्देशन एवं व संयोजक पदोश गांधी सहसंयोजक हर्षवर्धन जैन तथा मुख्य लाभार्थी डॉ कुशल चंपालाल जैन (ओड़वाडिया) के सानिध्य में रक्तदान शिविर का शुभारंभ हुआ, जिसमें आठ महिलाओं सहित 65 जनों ने रक्तदान किया, इस दौरान महामंत्री सुनील जैन, श्रेणिक दावड़ा, पंकज जैन, कोषाध्यक्ष अमोल जैन के

साथ पूर्व अध्यक्ष सुबोध सरैया, नरेश जैन, युवक महासंघ के अध्यक्ष विवेक दोषी, पोरवाड़ नवयुवक मंडल के अध्यक्ष नितेश मेहता, प्रवीण मलासिया, राजेश डेन्दु, वीरा क्लब की अध्यक्ष कल्पना दोषी, सूर्य कुमार जैन, विजय मेहता, चिकित्सा टीम से डॉ तुराब खुशनुद, खुमान सिंह चौहान, संजय डामोर, अनिल त्यागी, कृष्णा सेवक, हितेश गामोट, पंकज पटेल, अर्पित गुप्ता, अविश यादव, लखन सेठिया उपस्थित थे, उसके पश्चात संभवनाथ परिसर में रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया, इससे पूर्व नेमीनाथ मंदिर के उपाश्रय में भक्ति गीतों पर गरबा रास का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया, सभी रक्तदाताओं का बहुमान किया गया।

पांचवें दिन हुई साधुपद की आराधना

श्री जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ के तत्वाधान मे चैत्र नवपद ओली की धूम इन दिनों वागड़ अंचल में पूरे यौवन पर है, इसी के तहत श्री साधुपद की आराधना की गई, जिसके तहत साधु के गुणों का व्याख्यान किया गया, इस अवसर पर औटा स्थित नेमीनाथ मंदिर में विशा पोरवाड़ संघ तथा जैन सोसाइटी स्थित

संभवनाथ जिनालय में हुमड़ संघ के तत्वाधान में महिला, पुरुष व बच्चों ने नवपद ओली की, इस अवसर पर प्रातः मंदिर में पक्षाल, केसर पूजा तथा चैत्यवंदन करने के पश्चात साधुपद की आराधना की।

मुंबई: जैन धर्म के 24वें और अंतिम तीर्थंकर महावीर की स्वामी 2625वीं जन्म कल्याणक महोत्सव मंगलवार 31 मार्च को मुंबई में जगह-जगह आस्था के साथ धूमधाम से मनाई गई। हर साल चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर 'महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव' के रूप में मनाया जाता है। दक्षिण मुंबई के पायधुनी, प्रार्थना समाज, भुलेश्वर, वालकेश्वर, सहित पूर्वी मुंबई और पश्चिमी मुंबई के सभी जैन मंदिरों, उपाश्रयों और आराधना स्थलों पर तीर्थंकर महावीर की जन्म कल्याणक आस्था के साथ मनाया गया। जिसमें जैन समुदाय के सभी चारों फिरकों के जैन साधु-साध्वी, मुनि, आचार्य उपाध्याय, श्रमण, श्रमणी आदि गुरु भगवंतों का सानिध्य रहा, सभी के मार्गदर्शन में अनेक अनुष्ठान किए गए।

मंदिरों में पंचामृत से अभिषेक किया गया:

जैन धर्म के अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर की जन्म कल्याणक पर मुंबई के सभी जैन मंदिरों में बड़ी संख्या में जैन समुदाय के लोग जुटे, जैन मंदिरों में प्रातः महावीर का पंचामृत से अभिषेक किया गया, इसके बाद नियमित पूजा की गई। अंत में गाजे-बाजे के साथ रथ पर विराजमान कर महावीर की शोभायात्रा निकाली गई जिसमें बड़ी संख्या में सभी फिरकों के सभी जैन संघ से जुड़े सदस्य सपरिवार शामिल हुए।

संसार के हर प्राणि 'सुखी' रहें, सभी जैन पंथी 'मिलकर' रहें
महावीर जन्म कल्याणक पर्व पर हार्दिक शुभकामनाएँ
विनय नाहटा
मो. ९४२५५६२१६२
विजय नाहटा
मो. ९३०२१९२५५१
वीरम् स्टोर्स
दैनिक उपभोग, जनरल, आयुर्वेदिक, पूजा एवं जचकी समान
शुद्ध आहार शाकाहार
दैनिक बाजार के सामने नगरी, छत्तीसगढ़, भारत-४९३७७८,
०७७००-२५१२८२

जीयो और जीने दो के विचारक
तीर्थंकर महावीर के जन्म कल्याणक पर्व पर
हार्दिक शुभकामनायें
गजेन्द्र जैन पाटनी
Mob: 9425251222/6917151222
राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष
श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा
राष्ट्रीय महामंत्री
श्री भारतवर्षीय खंडेलवाल दिगम्बर जैन महासभा
कुनकरी, छत्तीसगढ़, भारत-496225

वर्तमान को वर्धमान की जरुरत है
वर्तमान को 'जैन एकता' की जरुरत

Babulalji Sunil Sanjay pahade

Mob: 9849017900

Taurus Chemicals (P) Ltd.

VAMSIRAM'S "JYOTHI VALENCIA", UNIT 1A, 4TH FLOOR, ROAD No.2, BANJARA HILLS, HYDERABAD, TELANGANA, Bharat-500 034, E-MAIL: info@tauruschemicals.com | sales@tauruschemicals.com
TEL:+91-40 27814501,27814502, Cell. :9849017900

भारत को 'भारत' ही बोला जाए एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

वर्तमान को वर्धमान की जरुरत है
वर्तमान को 'जैन एकता' की जरुरत

P.M.JAIN (SANCHETI)

Mob:- 9371006571

Jagruti Enterprises
Jagruti Investment Consultancy
Galaxy Multistate Multipurpose Credit Co.op Society Ltd

(Business Consultant)

Industrial Suppliers & Dealers in:

Co2 Welding Wire, Welding Electrodes, Co2 Spares, Co2 Machine, Lubricants & General Suppliers
Financial Risk management, Need Base insurance Advisor, portfolio management

Plot No. 18, Shop No.10, Sr.No.7&8
Opp Vidyanand Bhavan High School,
Near Shri Durgamata Mandir, Nigdi, Pune,
Maharashtra, Bharat-411044. Mob:9371006571

भारत को 'भारत' ही बोला जाए एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

जीयो और जीने दो के विचारक
तीर्थंकर महावीर के जन्म कल्याणक पर्व पर

हार्दिक शुभकामनायें

Vikas Banthia Gulab Banthia

Mob. 9849500685

MTV

MOHIT Toys Villa

#15-8-312, Sri K.C. Nivas, Near Mansingh Hotel,
Feelkhana, Hyderabad, Telangana,
Bharat - 500012 | Mob: 9640161718

पावन दिन है आ गया, महावीर जन्म कल्याणक पर्व,
जैन एकता का वर माँग लो, फैले हमारा अहिंसा धर्म
जन्म कल्याणक उत्सव पर

हार्दिक शुभकामनाएं

NARENDRA PLASTIC®

Narendra Plastic Pvt. Ltd.

Manufacturer of Compostable Bags
(Carrier Bags, Garbage Bags and Kirana Bags)
Certified by Central Pollution Control Board
ISO/ISO 17088 Compliant

3, Vakil Industrial Estate, Walbhat Road, Goregaon East,
Mumbai, Maharashtra, Bharat - 400063
Tel.: +91 22-42525252 | Email : infor@narendrabags.com
Web.: www.narendrabags.com

जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!!

राष्ट्रमाता बनें
निवेदकः मैं भारत हूँ फाउंडेशन

मैं भारत हूँ फाउंडेशन
भारत को 'भारत' ही बोला जाए
www.mainbharathun.co.in

जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!!

युवा समाजसेवी, गौ सेवक कार्य सम्राट बैंगलुरू निवासी महेंद्र मुणोत के कार्यों की झलकियां

न्यू ड्रीम स्पोर्ट्स क्लब द्वारा अंतरराष्ट्रीय विश्व महिला दिवस के उपलक्ष में रामसंद्र स्थित इनोवेटिव इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। अलग-अलग आयु की १५ से भी ज्यादा महिला टीमों ने हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि युवा समाज सेवी, विद्यार्थी मित्र महेन्द्रि मुणोत ने महिला खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं देते हुए विजेता टीमों को पुरस्कृत किया।

बेंगलूरु के पुटण्णा चेट्टी पुर भवन में आयोजित स्वराज एक्सप्रेस संगठन के उद्घाटन समारोह में विशिष्ट अतिथि युवा समाज सेवी महेन्द्र मुणोत को सम्मानित करते हुए संगठन के सदस्य।

श्री वनाक्कल मल्लेश्वर मठ, डबासपेट द्वारा आयोजित कन्नड़ साहित्य सांस्कृतिक सम्मेलन कार्यक्रम में युवा समाज सेवी, गौ प्रेमी महेन्द्र मुणोत एवं शिव गौ सेवा भक्त मंडल चैरिटेबल ट्रस्ट के हनुमान माली को सम्मानित करते हुए मठ प्रमुख श्री बसवा रामानंद महास्वामी एवं नेलमंगला बसवा देवर मठ के प्रमुख सिद्धालिंगेश्वर महास्वामी। इस अवसर पर शिव गौ सेवा मंडल चैरिटेबल ट्रस्ट की तरफ से मठ द्वारा संचालित गौशाला की सेवा के लिए रु. १,००,०००.०० की सहयोग राशि का चेक प्रदान किया गया। यह जानकारी श्री भूपेन्द्र एस. भानावत ने एक विज्ञप्ति में दी।

विनूताना सांस्कृतिक, सामाजिक, क्रीडा संगठन द्वारा अंतरराष्ट्रीय विश्व महिला दिवस के उपलक्ष में बसवेश्वर भवन लगेरे में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय सेवाओं के लिए चयनित महिलाओं को पुरस्कृत किया गया। मुख्य अतिथि युवा समाज सेवी महेन्द्र मुणोत ने अपने वक्तव्य में कहा, 'भारतीय संस्कृति में महिलाओं को सम्मान है, प्राथमिकता है। हम भारतीय महिलाओं में देवी, माँ, पत्नी, बहन जैसे पवित्र रिश्तों के दर्शन करते हैं। वर्तमान में महिला के तेवर स्वागत योग्य हैं, आज महिला घर-गृहस्थी को संभालते हुए हर क्षेत्र में कंधे से कंधा मिलाकर पुरुष के साथ चल रही है, मैं महिलाओं से यह कहना चाहता हूँ कि वह अपने अधिकारों की बातें अवश्य करें, लेकिन अपने कर्तव्य को ना भूले। आयोजकों ने श्री मुणोत को सम्मानित किया।

क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा लग्गेरी स्थित मातृ श्री मैदान में क्रिकेट स्पर्धा लग्गेरी प्रीमियर लीग का आयोजन किया गया। जिसमें १२ टीमों ने हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए विजेता टीमों को पुरस्कृत किया। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

हंपी युवा क्रिकेटर्स द्वारा हंपी नगर स्थित चंद्रशेखर आजाद खेल मैदान में क्रिकेट स्पर्धा हंपी कप २०२६ का आयोजन किया गया, जिसमें १५ से भी ज्यादा टीमों ने हिस्सा लिया। विशिष्ट अतिथि युवा समाज सेवी, विद्यार्थी मित्र महेन्द्र मुणोत खेल मैदान में पहुंचकर खिलाड़ियों की हौसला अफजाई की। आयोजकों ने श्री मुणोत को सम्मानित किया, उक्त सभी जानकारी भूपेन्द्र एस. भानावत ने प्रेस विज्ञप्ति द्वारा 'जिनागम' पत्रिका को भेजी गई है।

आइये हम सभी 'जय जिनेन्द्र' के साथ 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!
INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए
Remove INDIA Name From The Constitution
INDIA GATE का नाम 'भारतद्वार' लिखवायें
भारतीय भाषा को अपनाओ अभियान
हिंदी को दिलाओ राष्ट्रभाषा का सम्मान

हाय, हैलो छोड़िये, जय जिनेन्द्र बोलिए!

Ideal place for
Marriages, Conferences & Relaxation
Khanvel RESORT SILVASSA
09320023557
09824056861
022-26352635
022-26305555
follow us on:
/thekhanvelresort
/khanvelresort
www.khanvelresort.com
sales@khanvelresort.com

वर्तमान को वर्धमान की जरुरत है
वर्तमान को 'जैन एकता' की जरुरत
S. C. Dugar
Mob: 9331079289
You dream. We cast.
BHARAT ENGINEERING WORKS
Heavy Castings | Ferro Alloys and Consumables | Raw Materials
Govt. of India recognized One Star Export House
Office
34, Chittaranjan Avenue, 4th Floor, Kolkata, Bharat-700 012,
+91 33 2212 3662 / 63 | E info@bharatengg.in
Works
National Highway 6, P.O. Chamrail, Howrah, Bharat- 711 114,
T +91 9883083696 | E bew.works@bharatengg.in
भारत को 'भारत' ही बोला जाए   एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

'जैन एकता' से ही होगा जैन समाज का विकास व बढ़ेगा
सम्मान मिल कर कहें हम-सब जैन हैं
Samrat Jewellers SJ
नवग्रह रत्नों के व्यापारी
मणिक, मोती, मूंगा, पन्ना, पुखराज, हीरा,
नीलम गोमेदक, लहसुनिया, नवग्रह रत्न अपनी राशी के
अनुसार रत्न धारण करने से हर समस्या दूर होकर,
स्वास्थ लाभ, समुद्र शाली, व हर क्षेत्र
में सफलता प्राप्त होती है
हमारे यहां सभी राशियों के रत्न हमेशा उपलब्ध रहते हैं
एक बार अवश्य संपर्क करें
अनोखीलाल नाहर जैन   पंकज नाहर जैन
३१ - ए कीर्तिकर मार्केट, दादर पश्चिम, मुम्बई,
महाराष्ट्र, भारत - ४०००२८ फोन ०२२-२४३०६६४२
मो: ९८९२८०५०६९

श्री महावीराय नमः जय गुरु नाना
श्री वीतरागाय नमः जय गुरु राम
With Best Compliments from:
ANIL JEWEL PARADISE LLP
SINCE 1966
DIAMOND | GOLD | PLATINUM | SILVER
www.aniljewelparadise.in | - theanilofficial
Some legacies shine beyond words and time.
In the Memory of

Late Sri M. Karan Singh Nandawat
"Sincerity in thoughts, honesty in words and integrity in action."
Launching
KEVALI™
92.5 Silver Jewellery | Lab Grown Diamonds | Astrological Gemstones
www.kevali.in | - kevali.in
Ganganagar | Kalyan Nagar | Forum South Bengaluru Mall
Contact : 9845351527 | 7337717709 | 080-23333409

'जैन एकता' से ही होगा जैन समाज का विकास व बढ़ेगा सम्मान
मिल कर कहें हम-सब जैन हैं
भंवरलाल पगारिया जैन
वरीष्ठ उपाध्यक्ष
अ.भा. श्वे.स्था. जैन कॉन्फ्रेन्स, कर्नाटक शाखा
भूतपूर्व अध्यक्ष
अ.भा. श्वे.स्था. जैन कॉन्फ्रेन्स, कर्नाटक शाखा
कार्यकारिणी सदस्य
अ.भा.श्वे.स्था. जैन कॉन्फ्रेन्स, दिल्ली
मुख्य मार्गदर्शक
श्री मरुधर केसरी जैन गुरु सेवा समिति, बैंगलोर
37, हॉस्पीटल रोड, बैंगलोर, कर्नाटक, भारत- 560053
फोन :- 080 22383557 मो. - 09448238429

जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!!

चिंचवड़ में महावीर जन्म कल्याणक पर निकाली गई शोभायात्रा

चिंचवड़ के सुदर्शन नगर स्थित श्री अरिहंत दिगम्बर जैन ट्रस्ट के तत्वावधान में महावीर जन्म कल्याणक उत्सव के अवसर पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में बैंड पथक, स्कूली विद्यार्थी और लगभग ३०० श्रद्धालु शामिल हुए, इस दौरान 'त्रिशला का नंदन वीर की जय', 'जय बोलो महावीर की', 'जियो और जीने दो' जैसे जयघोषों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में अभिषेक और महापूजा के साथ हुई। श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर पूजा-अर्चना की और भगवान महावीर के सिद्धांतों का स्मरण किया, इसके बाद भव्य शोभायात्रा सुदर्शन नगर, चिंचवड़ और पिंपरी लिंक रोड मार्ग से निकाली गई, जिसका समापन गावडे़ पेट्रोल पंप के पास से होते हुए पुनः मंदिर में किया गया, कार्यक्रम के तहत आयोजित रक्तदान शिविर में ४० लोगों ने रक्तदान किया।

जीवदया के लिए राशि दान, इसके साथ ही जीवदया के लिए करीब १ लाख रुपए की राशि दान के रूप में एकत्र की गई। धार्मिक आस्था, सामाजिक सेवा और सामूहिक सहभागिता के संगम के रूप में महावीर जन्म कल्याणक का यह आयोजन चिंचवड़ में श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ, आयोजन को सफल बनाने के लिए ट्रस्ट के अध्यक्ष नेमिचंद ठोले, कार्याध्यक्ष शीतल पहाड़े सहित सतीश दोशी, राजेंद्र दोशी, राकेश जैन, विमल जैन, शीतल शाह, अंजली शाह और कुमुद शास्त्री समेत सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने विशेष प्रयास किए।

श्री १००८ भगवान महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव

जालनाः श्री १००८ महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव निमित्त ता.२९/०३/२०२६ को सकल जैन समाज युवा मंच के ओर से भव्य मोटर सायकल रॅली का आयोजन किया गया। महावीर का संदेश 'अहिंसा परमोधर्म' 'जिओ और जिने दो' के साथ संपूर्ण शहर में रैली निकाली गयी। सोमवार दि.३० मार्च २०२६ को मंदिरजी में तीर्थंकर जी का अभिषेक, पूजन का आयोजन किया गया। शाम को महिला मंडल द्वारा सांस्कृतिक एवम धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मंगलवार दि. ३१ मार्च को 'जालना' के समस्त जैन समाज द्वारा शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। सुबह ८ बजे महावीर स्तंभ पर सभी की उपस्थिती में ध्वज लहरा कर वंदना कर शोभायात्रा की सुरुवात हुई और 'जालना' शहर के प्रमुख मार्ग से होते हुए श्री. गुरुगणेश तपोभूमी के मंडप में गुरुदेव उपाध्याय श्री. १०८ विभंजन महाराज और करुणामुर्ती प.पू. किरणसुधाजी महाराज, करुणा मुर्ती जैन सिद्धाचार्य प.पू. प्रशांत कंवर जी महाराज एवम प.पू. विभाश्री महाराज के मंगलमय प्रवचन द्वारा कार्यक्रम का समापन हुआ, उसके पश्चात सकल जैन समाज द्वारा आयोजित वात्सल्य भोज कार्यक्रम संपन्न हुआ।

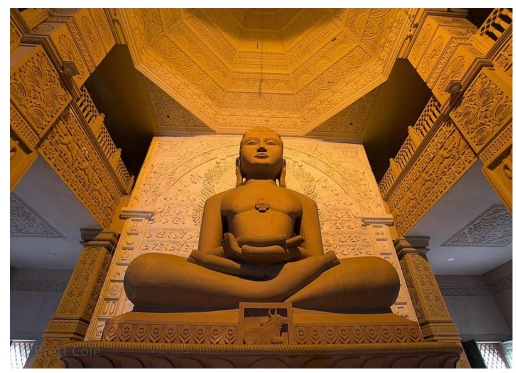

-सकल जैन समाज, जालना

जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!!

आइये हम सभी 'जय जिनेन्द्र' के साथ 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!
INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए
Remove INDIA Name From The Constitution
INDIA GATE का नाम 'भारतद्वार' लिखवायें

पुणे में महावीर स्वामी का 2625वां जन्म कल्याणक महोत्सव मनाया गया

पुणेः तीर्थंकर भगवान महावीर के 2625वें जन्म कल्याणक महोत्सव के मौके पर हुए एक खास साभारोह में पुणेकरों ने महावीर के 27 जन्मों की अद्भुत यात्रा, कर्मबंधन से मोक्ष तक, भगवान महावीर की अद्भुत यात्रा का अनुभव किया, यह प्रोग्राम गणेश कला क्रीड़ा मंच पर हुआ। डांस और ड्रामा के ज़रिए कलाकारों ने महावीर के पिछले जन्म के दर्शन, मन और आत्मा की अलग-अलग अवस्थाओं को दिखाया, भगवान महावीर की यात्रा, भगवान महावीर का जो रूप था, उसे ड्रामा में दिखाया गया, यह प्रोग्राम जैन समाजवादी उत्सव समिति (सकल जैन संघ) ने ऑर्गनाइज़ किया था, यह प्रेजेंटेशन मुंबई में सचिन शाह के रंगत प्रोडक्शंस ने किया, प्रोग्राम के आखिर में हज़ारों दीयों से भगवान महावीर की पूजा की गई।

दीपक प्रोग्राम के स्पॉन्सर मानिकचंद ग्रुप के प्रकाश रसिकलाल धारीवाल ने जलाया। इस मौके पर दीना धारीवाल, आदित्य धारीवाल, साक्षी रोहित मेहता, विजयकांत कोठारी, एडवोकेट एस. के. जैन, राजेश शाह, विजय भंडारी, मिलिंद फड़े, राजकुमार चोरडिया, जैन समाज उत्सव समिति के अध्यक्ष अचल जैन, अनिल गेलड़ा, संपत जैन, समीर जैन, दिलीप मेहता, सुधीर शाह, सुनील कटारिया, प्रवीण चोरबोले, इंद्रकुमार छाजेड, वीरेन शाह मौजूद थे। अचल जैन ने अपने वक्तव्य में जैन समाज के अलग-अलग संगठनों और पिछले 74 सालों से महावीर जन्म कल्याणक के मौके पर होने वाले प्रोग्राम के बारे में जानकारी दी, इस मौके पर महावीर जन्म कल्याणक के मौके पर निकाली गई शोभायात्रा और अलग-अलग प्रोग्राम में रैंक पाने वालों को सम्मानित किया गया। प्रकाशजी धारीवाल ने कहा, हम हमेशा महावीर की जयंती बड़े उत्साह से मनाते हैं, इस मौके पर हम 'जैन एकता' का संदेश दे रहे हैं। 9 अप्रैल को पुणे में नवकार महामंत्र का प्रोग्राम रखा गया है, उन्होंने लोगों से इसमें शामिल होने की अपील की। प्रोग्राम को संपत जैन, अनिल गेलड़ा ने कोऑर्डिनेट किया, जबकि समीर जैन ने मौजूद सभी लोगों का धन्यवाद किया। 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के 2625वें जन्म कल्याणक महोत्सव के मौके पर श्री जैन समाजवादी समिति की तरफ से एक बड़ी शोभा यात्रा निकाली गई, शोभा यात्रा गोड़ीजी पार्श्वनाथ मंदिर से शुरू हुई। शोभा यात्रा में करीब 2000 लोग शामिल हुए, इसमें पुणे के महावीर के जीवन पर आधारित कई आकर्षक सीन दिखाए गए, शोभा यात्रा आदिनाथ सोसाइटी में खत्म हुई।

जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!!

हिंसा और असहिष्णुता के दौर में महावीर का संदेश ही समाधानः एकनाथ शिंदे उपमुख्यमंत्री

मुंबईः जैन धर्म के सभी संप्रदायों की अतिप्राचीनतम संस्था भारत जैन महायंडल तरफ से दादर स्थित योगी सभागृह में महावीर स्वामी के 2625 वें जन्मकल्याणक महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम जैन-मुनि, आचार्य और साधु-साध्वियों के सानिध्य और राज-नीतिक व सामाजिक हस्तियों व्यक्तियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि आज दुनिया हिंसा, आतंकवाद और असहिष्णुता के संकट से जूझ रही है। वैश्विक संघर्ष और बढ़ती हिंसा के बीच महावीर का 'अहिंसा और संयम' का संदेश आज पूरी दुनिया के लिए सबसे बड़ी आवश्यकता, उन्होंने कहा कि आतंकवाद की सोच 'तुम मरोगे तो मैं जीवित रहूंगा' पर आधारित है, जबकि महावीर का दर्शन सभी के जीने की बात करता है।

उपमुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि यह पर्व केवल जन्म कल्याणक ही नहीं, बल्कि आत्मचिंतन का अवसर है, हमें अपनी वाणी तथा व्यवहार में संयम लाना होगा, श्री शिंदे ने जैन समाज द्वारा राष्ट्र और समाज के निर्माण में दिए गए योगदान की भी सराहना की। महोत्सव में कैबिनेट मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने महावीर स्वामी के सिद्धांतों का जिक्र किया और कहा कि समाज के प्रतिनिधियों को सरकार तथा हिंदू समाज से समन्वय बनाकर चलने की जरूरत है, उन्होंने जैन समाज से अपील करते हुए विवादों से दूर रहने की बात कही, इस अवसर पर मुंबई बीजेपी अध्यक्ष अमित साटम, शिवसेना (शिंदे) की प्रवक्ता शायना एनसी, बीसी जैन भलावत, सुरेश जैन, केके तातेड़, सिद्धराज लोढा, महावीर कोठारी, मनोहर गोखरू, सुभाष रुणवाल, माणक धींग, सीसी डांगी, मेहुल मेहता, तरुणा बोहरा, बाबूलाल बाफना, भूपेश कोठारी सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित थे।

जैन सम्राट से चीन भी कांपता थाः

जनसंत श्रमणोपाध्याय विरजनसागर महाराज ने कहा कि केवल भगवान को मानने से नहीं, बल्कि उनके सिद्धांतों को जीवन में उतारने से ही कल्याण संभव है। आचार्य नयपद्मसागर महाराज ने नारी की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि संसार को स्वर्ग बनाने की शक्ति नारी में है, इस दौरान उन्होंने जैन समाज के महापुरुषों के इतिहास को भी बताया, उन्होंने कहा कि जैन धर्म के अनुयायी सम्राट संप्रति से चीन डरता था, उनके प्रभाव और सैन्य शक्ति के कारण चीन के शासक चिंतित हो गए थे, इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार से दो बच्चों से अधिक पैदा होने वाले बच्चों का वोटिंग अधिकार खत्म करने की मांग की।

सामाजिक पहल और जैन एकता पर जोर

भारत जैन महामंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष ख्यालीलाल तातेड़ ने अपने स्वागत भाषण में जैन समाज से एकजुट होने की अपील की, उन्होंने जैन हॉस्टल निर्माण की घोषणा करते हुए कहा कि संस्था शिक्षा और सेवा के क्षेत्र में बड़े स्तर पर कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है, समारोह के स्वागताध्यक्ष दिलीप मेहता ने बेटियों की शिक्षा के लिए हर वर्ष 10 हजार बालिकाओं को शिक्षित करने का संकल्प लिया, पूर्व अध्यक्ष सीए केसी जैन ने कहा 'महावीर का दर्शन जीवन जीने की कला है, यदि हम अहिं-सा, अपरिग्रह और संयम को अपने व्यवहार में उतार लें, तो समाज की आधी समस्याएं स्वतः समाप्त हो सकती है।'

संसार के हर प्राणि 'सुखी' रहें, सभी जैन पंथी 'मिलकर' रहें
महावीर जन्म कल्याणक पर्व पर हार्दिक शुभकामनाएँ

Vijay Transmission Pvt.Ltd.
K.C. Paliwal ● S.C. Paliwal ● N.C. Paliwal
Mumbai ● Delhi ● Chennai ● Raipur ● Hyderabad
Corp. Office:
Plot No 121/3, 8, 12, 13 | Village Kanhera | Urla Acholi Marg | Post Urla | Block Dharsive | Dis. Raipur - 493221
Tel : (0771) 3054900 (30 Lines) | Fax: (0771) 3054932 |
Email: info@vijaytransmission.com
Mumbai Office:
Office No. 706, 7th Floor, Dev Plaza S.V. Road, Above Vijay Sales,
Andheri West, Mumbai, Maharashtra, Bharat - 400058 / Tel.: 022 47763380
Contact Person:
Narendra C. Paliwal ● M. 9820023562

जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!!

समन्वय का संदेश : जैन धर्म की एकता ही उसकी वास्तविक शक्ति

जैन धर्म की महान परम्परा, जो अहिंसा, अनेकांतवाद और अपरिग्रह जैसे सार्वभौमिक सिद्धांतों पर आधारित है, सम्पूर्ण मानवता को शांति और सह-अस्तित्व का मार्ग दिखाने में सक्षम है। जैन धर्म और संस्कृति के लेखक श्री शुद्धात्म प्रकाश जैन के अनुसार दिगम्बर और श्वेताम्बर परम्पराओं के मध्य कुछ मतभेद अवश्य हैं, किन्तु ये मतभेद इतने व्यापक नहीं हैं कि वे समाज की एकता में बाधक बनें। इन मतभेदों में तीर्थंकरों के स्वरूप, भगवान महावीर के जीवन प्रसंगों, आहार-विहार की मान्यताओं तथा परम्परागत विवरणों में अंतर देखा जाता है। जैसे- मल्लिनाथ भगवान के स्त्री अथवा पुरुष स्वरूप का प्रश्न, गर्भ परिवर्तन की मान्यता, भगवान महावीर के गृहस्थ जीवन का वर्णन, तीर्थंकरों के आहार संबंधी मत, स्वप्नों की संख्या तथा भगवान ऋषभदेव के वैराग्य के कारण जैसे विषयों पर दोनों परम्पराओं की भिन्न धारणाएँ हैं। किन्तु जब हम जैन धर्म के मूल सिद्धांतों पर दृष्टि डालते हैं, तो यह स्पष्ट होता है कि सत्य, अहिंसा, करुणा, आत्मशुद्धि और मोक्षमार्ग -इन आधारभूत तत्वों में किसी प्रकार का कोई मतभेद नहीं है। अतः यह कहना उचित होगा कि विवाद का मूल कारण सिद्धांतों का भेद नहीं, बल्कि अहंकार और अपनी-अपनी परम्परा को श्रेष्ठ सिद्ध करने की प्रवृत्ति है।

इतिहास इस बात का साक्षी है कि भगवान महावीर के समय तथा उसके कई शताब्दियों तक जैन समाज पूर्णतः संगठित था। उस काल में दिगम्बर और श्वेताम्बर का कोई विभाजन नहीं था, बल्कि सभी साधु-साध्वी और श्रावक-श्राविकाएँ एक ही उद्देश्य से धर्म साधना और प्रचार-प्रसार में संलग्न थे। परिणामस्वरूप समाज में शांति, समृद्धि तथा सांस्कृतिक विकास-जैसे शिल्पकला, वास्तुकला और साहित्य -का अभूतपूर्व उत्कर्ष हुआ। परन्तु समय के साथ, जब मताग्रह और श्रेष्ठता सिद्ध करने की प्रवृत्ति बढ़ी, तब विभाजन की रेखाएँ गहरी होती चली गईं। इसका प्रभाव यह हुआ कि जैन समाज की संगठित शक्ति कमजोर हुई और अनुयायियों की संख्या में भी क्रमशः कमी देखने को मिली। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम इन मतभेदों को विवाद का विषय न बनाकर, अनेकांतवाद की भावना से उन्हें स्वीकार करें और समन्वय का मार्ग अपनाएँ। हमें यह समझना होगा कि विचारों की भिन्नता स्वाभाविक है, किन्तु लक्ष्य एक ही है- आत्मकल्याण और विश्वकल्याण।

अतः समस्त जैनाचार्य, मुनिराज, आर्यिकाएँ, साध्वियाँ एवं श्रावक-श्राविकाओं से विनम्र निवेदन है कि वे अपने-अपने सम्प्रदायों की मर्यादाओं का सम्मान करते हुए, एक व्यापक दृष्टिकोण अपनाएँ और एकता की भावना को सशक्त करें। यदि हम सभी मिलकर भगवान महावीर के उपदेशों को एक स्वर में प्रस्तुत करें, तो न केवल जैन समाज सुदृढ़ होगा, बल्कि सम्पूर्ण विश्व को शांति और सह-अस्तित्व का सशक्त संदेश प्राप्त होगा। आज समय की पुकार है कि हम 'मैं' और 'मेरा सम्प्रदाय' की संकीर्णता से ऊपर उठकर 'हम' और 'हमारा जैन धर्म' की व्यापक भावना को अपनाएँ। यही सच्चे अर्थों में भगवान महावीर के उपदेशों का पालन होगा और यही जैन धर्म की वैश्विक प्रतिष्ठा को पुनः स्थापित करने का मार्ग भी है।इसी भावना के साथ चतुर्विध संघ से आग्रह है कि वे गंभीर चिंतन-मनन कर समन्वय और एकता की दिशा में ठोस पहल करें, ताकि जैन धर्म की यह अमूल्य धरोहर आने वाली पीढ़ियों के लिए और अधिक सशक्त एवं प्रेरणादायी बन सके।

-सुगालचन्द जैन, चेन्नई

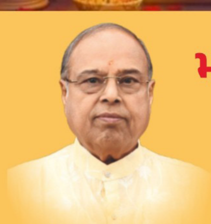
भगवान महावीर जयंती
की हार्दिक शुभकामनाएं
संतोष जैन (पेंढारी)
राष्ट्रीय महामंत्री
भारतवर्षीय दि. जैन तिर्थक्षेत्र कमेटी, मुंबई
JAIN ACID & CHEMICALS
Deals in : All Types of Industrial Acids & Chemicals
Near Rapid Transport, Central Avenue, Gandhibagh, Nagpur-440 032.
Mob. 9822223911, 9503320326 | Email : jainacid77@gmail.com
www.jainacid.com

संसार के हर प्राणि 'सुखी' रहें, सभी जैन पंथी 'मिलकर' रहें
महावीर जन्म कल्याणक पर्व पर
हार्दिक शुभकामनाएँ

Vinodkumar Chitranjan Singh Dugar Jain
112, Somerset House, Warden Road,
Breach Candy, Mumbai,
Maharashtra, Bharat - 400 026
दूरध्वनि : 022-2367 1781 / 2363 6597
भ्रमणध्वनि : 09820076581

जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!!

जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!!

जैन युवाओं से निवेदन परिचय से परिणय की ओर समयानुसार बढें- मनिष छाबड़ा जैन सहमंत्री श्री दिगम्बर जैन सेवा संघ

मुंबई: 5 अप्रैल 2026 को श्री मुंबई दिगंबर जैन सेवा संघ द्वारा आयोजित 22वां विवाह योग्य युवक-युवती परिचय सम्मेलन आज पूरे उत्साह और सफलता के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम सुबह 10 बजे से शुरू होकर शाम 5:30 बजे तक निरंतर चला, जिसमें लगभग 600 युवक-युवतियों एवं उनके परिजनों ने भाग लिया, कार्यक्रम में सूरत, अहमदाबाद, पुणे, इंदौर, नासिक, अहमदनगर, औरंगाबाद आदि कई ग्राम और नगर से युवक युवती के साथ उनके माता पिता ने भाग लिया।

परिचय से परिणय तक के इस सफर में ZOOM के माध्यम से विदेश से भी कई युवक-युवतियों ने भाग लेकर अपना परिचय दिया, यूट्यूब के माध्यम से

इस कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किया गया।

समारोह के अध्यक्ष श्री एस. पी. जैन रहे, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में महाराष्ट्र राज्य कौशल विकास मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा उपस्थित रहे। मंच उद्घाटन श्री मनोज राममोहन छाबड़ा द्वारा किया गया। दीप प्रज्वलन विमल संघी ने किया तथा स्मारिका का विमोचन अनिल सिंघवी एवं विकास सेठी ने संयुक्त रूप से किया। मंगलाचरण की प्रस्तुति श्रीमती मंजूषा जैन ने की।

इस अवसर पर सम्माननीय अतिथि के रूप में अनिल सिंघवी, गणपत कोठारी, किशोर भाई शाह, डी. पी. जैन, राजेंद्र कासलीवाल, सुरेश सेठी, पंकज जैन, सुनील गंगवाल, जमनालाल हपावत आदि उपस्थित रहे।

विशिष्ट अतिथि के रूप में राजीव जैन, श्रीमती प्रीति जैन, डॉ. पी. एन. जैन, देवेंद्र बाकलीवाल, सुनील कटारिया, बाबूजी वी. के. जैन, डॉ. डी. के. सालगिया, डॉ. प्रकाश बड़जात्या, श्रीमती साधना मादावत एवं श्रीमती संगीता पेटकर उपस्थित रहे थीं।

कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने में सेवा संघ के वर्धमान कासलीवाल, निर्मल जैन, मनीष छाबड़ा एवं डॉ. मनोज छाबड़ा ने प्रमुख भूमिका निभाई। मंच संचालन संजय राजा जैन एवं श्रीमती साधना मादावत द्वारा किया गया। भोजन व्यवस्था सुरेश हिसावत एवं गजेंद्र काला की देखरेख में सम्पन्न हुआ।

सेवा संघ के अध्यक्ष कैलाश छाबड़ा ने बताया कि समाज में योग्य रिश्तों को एकमंच पर लाने का यह प्रयास बेहद सफल रहा और भविष्य में इसे और बड़े स्तर पर आयोजित किया जाएगा। उपरोक्त जानकारी संस्था के महामंत्री कमल गंगवाल के द्वारा 'जिनागम' कार्यालय मे भेजी गई है।

वर्तमान को वर्धमान की जरुरत है
वर्तमान को 'जैन एकता' की जरुरत
परस्परोपग्रहो जीवानाम्

Sandeep Fulfagar
Mob: 9225543681

THE SWASTIK ENTERPRISES
Supplier of all types of furniture

Gat No. 366/2 NR BSNL Tower, Ambethan Road, Kharabwadi, Chakan, Pune, Maharashtra, Bharat- 410501

बिहार राज्य के जैन तीर्थो का संक्षिप्त परिचय एवं संपर्क सूत्र
अंतर्गत - बिहार स्टेट दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र कमिटी

श्री राजगृह जी दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र, राजगीर (नालन्दा) बिहार
भगवान मुनिसुव्रतनाथ गर्भ, जन्म, तप, ज्ञान कल्याणक स्थली, भगवान महावीर स्वामी की प्रथम देशना एवं दीक्षा स्थली, तेईस तीर्थकरों की समोशरण स्थली, सुधर्मा स्वामी आदि अनेक केवलियों की निर्वाण स्थली, प्राचीन पुस्तकालय, म्यूजियम एवं पंचपहाड़ी तथा पर्यटक केंद्र मो०- 9334770321, 9334770317, 9386152398, 9386461769

श्री पावापुरी जी दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र, पावापुरी (नालन्दा) बिहार
भगवान महावीर स्वामी की निर्वाण भूमि एवं अंतिम उपदेश भूमि तथा पर्यटन केंद्र। मो०- 9006561904, 9661588241, 7004997407, 9852475864

श्री कुण्डलपुर जी दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र, कुण्डलपुर (नालन्दा) बिहार
प्राचीन मान्यता के अनुसार भगवान महावीर स्वामी की गर्भ, जन्म कल्याणक स्थली है। मो०- 8002831990, 9525478865

श्री मंदारगिरी जी दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र, मंदारगिरी, बौसी (बांका) बिहार
मंदारगीर पर्वत के शिखर पर 12वें तीर्थकर भगवान वासुपूज्य स्वामी का तप, केवल ज्ञान एवं मोक्ष कल्याणक भूमि है। केवलज्ञान प्राप्ति के उपरान्त प्रभु की वाणी सर्वप्रथम यही खीरी थी। मो०- 9507026319, 9931298197, 7979895746, 6205820368

भगवान महावीर कैवल्यधाम दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र, मलयपुर (जमुई)
जैन इतिहासकारों एवं विद्वानों द्वारा प्रमाणित जम्भ्रिक ग्राम (वर्तमान जमुई) रिजुकुला नदी (वर्तमान क्यूल नदी) के तट पर भगवान महावीर की केवलज्ञान भूमि छोटी पहाड़ी पर स्थित भगवान महावीर की 11 फिट पद्मासन मनोज्ञ प्रतिमा स्थापित है।
मो०- 8210823858, 9308110463

श्री मिथिलापुरी जी दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र, बालमेकेश्वर मोह, जनकपुरी रोड, सुरसंड (सीतामढ़ी) बिहार
19वें एवं 21वें तीर्थकर भवागन मल्लिनाथ स्वामी तथा नमिनाथ स्वामी की गर्भ, जन्म, तप तथा केवलज्ञान (8) कल्याणक भूमि। मो०- 9122332249, 8540074584

श्री वैशाली जी दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र, वैशाली (बिहार)
भगवान महावीर के नाना राजा चेटक के गढ़ में स्थित प्राचीन मन्दिर है। यहाँ से 02 कि.मी. दूर कुण्डग्राम आधुनिक विद्वानों द्वारा भगवान महावीर की गर्भ, जन्म स्थली प्रमाणित है। मो०- 6206217094

श्री कमलदह जी दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र, गुलजारबाग (पटना) बिहार
अडिग शीलव्रतधारी महामुनि श्री सेठ सुदर्शन स्वामी की निर्वाण स्थली है। अनेक जैन आचार्य एवं जैन मुनियों ने तप एवं साधना स्थली। अंतिम श्रुत केवली आचार्य भद्रबाहु स्वामी एवं तत्त्वार्थसूत्र के रचयिता आचार्य उमा स्वामी की कर्मस्थली। मो०- 9155046125

श्री गुणांवा जी दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र, गुणांवा (नवादा) बिहार
भगवान महावीर स्वामी के प्रथम गणधर गौतम स्वामी की केवलज्ञान एवं निर्वाण भूमि।
मो० - 9304376771, 8709622671

श्री नौबतपुर जी दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र, रुस्तमगंज, नौबतपुर (पटना)
भगवान सुपार्श्वनाथ की 800 वर्ष प्राचीन एवं अतिशयकारी मनोज्ञ प्रतिमा। मो०- 9693385078

श्री भद्दीलपुर जी दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र, भदया, होभी चेकपोस्ट के पास, गया (बिहार)
10वें तीर्थकर भगवान शीतलनाथ के गर्भ तथा जन्म कल्याणक से सुशोभित भूमि। मो०- 8271994635

श्री चन्द्रप्रभू दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र जियातमोलीन गली, खाजेकलां, पटना सिटी
600 वर्ष प्राचीन पटनासिटी में स्थित भगवान चन्द्रप्रभु स्वामी की अतिप्राचीन मंदिर। मो०- 9386154836

श्री चिंतामणी सलोने पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र, लहेरी मुहल्ला, बिहारशरीफ (नालन्दा)
सर्वविघ्न चिंताओं को दूर करने में सहायक एवं अत्यंत मनोज्ञ, सलोने होने के कारण श्री चिंतामणी सलोने पार्श्वनाथ के नाम से प्रसिद्ध। यह मंदिर लगभग पाँच सौ वर्ष प्राचीन है। मो०- 9031541688

बिहार के जैन तीर्थो के अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें - 9386461769
रवि कुमार जैन "पुस्तकालयाध्यक्ष" आचार्य महावीरकीर्ति दिगम्बर जैन सरस्वती भवन
भगवान महावीर मार्ग, राजगीर (नालन्दा) बिहार - 803116

VALUE COUNTER MODEL - KM 9014A

UPDATES WITH NEW NOTES

NEW PRODUCT

FEATURES :

- Automatic start, stop and clear.
- With Batch, Add and Self-checking functions.
- UV, MG, IR and MT counterfeit detection.
- Automatic half-note, chained note detecting.
- Double-note detecting with IR.
- LCD turns red when detects fake note.

SPECIFICATIONS :

- **Counting Display :** 4 digits
- **Batch Display :** 3 digits
- **Counting speed :** 1000pcs/min
- **Hopper Capacity :** 300 notes
- **Stacker Capacity :** 200 notes
- **Size of countable note :** 50*110-90*190mm
- **Power Supply :** AC220V±10% 50Hz
- **Power Consumption :** ≤ 80W
- **Size of box :** 375*333*251 mm

KUSAM-MECO — An ISO 9001:2015 Company

Shop No. 18, 1st floor, CIDCO Shopping Complex, Plot No 9, Sector-7, Rajiv Gandhi Marg, Sanpada,Navimumbai-400705. INDIA. Tel.: 022-27754546, 27750662 / 0292
Email :sales@kusam-meco.co.in Web : www.kusamelectrical.com

वर्तमान को वर्धमान की जरुरत है
वर्तमान को 'जैन एकता' की जरुरत

राष्ट्रमाता बनें — निवेदकः मैं भारत हूँ फाउंडेशन

परस्परोपग्रहो जीवानाम

SWASTIK SANITATION

217A, CUTTACK ROAD, LAXMI SAGARCHOUK,
BHUBANESWAR, ODISHA,
BHARAT- 751006

भारत को 'भारत' ही बोला जाए — एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

!! ॐ अर्हम् !!

जीयो और जीने दो के विचारक
तीर्थंकर महावीर के जन्म कल्याणक पर्व पर
हार्दिक शुभकामनायें

हम रहें ना रहें — गुरुवर तेरा आशीर्वाद रहे

Fateh Chand Begwani
Rakesh Chhajer
Mobile: 9844013386

Quality Thermopack And Insulations Industries

17-P, KIADB Industrial Area, Bidadi, Phase- II, Sector-1,
Mysore Road, Ramanagara, Karnataka, Bharat - 582109
e-mail : qualitythermopack@gmail.com

वर्तमान को वर्धमान की जरुरत है
वर्तमान को 'जैन एकता' की जरुरत

राष्ट्रमाता बनें — निवेदकः मैं भारत हूँ फाउंडेशन

परस्परोपग्रहो जीवानाम

SHANTILAL C. SHAH

MOB :- 9821013563

9, 3rd Floor , Chemox House, 7 , Barrack Road ,
Bombay Hospital Lane, Mumbai,
Maharashtra , Bharat-400020

भारत को 'भारत' ही बोला जाए — एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!!

जैन एकता के मंच पर मुख्यमंत्री ने हसमुख गांधी सहित चार विभूतियों का किया महावीर अलंकरण सम्मान

इंदौरः तीर्थंकर महावीर स्वामी के आदर्शों पर आधारित महावीर अलंकरण समारोह में इंदौर जैन समाज की एकजुटता, सेवा भावना और सामाजिक समरसता का प्रेरक दृश्य देखने को मिला। दिगम्बर एवं श्वेताम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के संयुक्त तत्वावधान में महावीर के 2625वें जन्म कल्याणक अवसर पर महावीर के दर्शन की वैश्विक प्रासंगिकता पर वृहद संवाद के अवसर पर संगीत कला अकादमी, मनमोहन मेहता ऑडिटोरियम इंदौर में महावीर जन्म कल्याणक के पूर्व 29 मार्च 2026 आयोजित इस भव्य समारोह में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वरिष्ठ समाजसेवी हसमुख जैन गांधी, चंदनमल जैन चौरड़िया, हंसराज जैन एवं संतोष कुमार जैन को उनके उत्कृष्ट सामाजिक योगदान के लिए 'महावीर अलंकरण' प्रदान कर सम्मानित किया।

महावीर के सिद्धांत आज भी प्रासंगिक जॅ मोहन यादव मुख्य मंत्री महयप्रोश

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने उद्बोधन में कहा कि तीर्थंकर महावीर के अहिंसा, सत्य और अपरिग्रह के सिद्धांत आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं और समाज को सात्विकता एवं नैतिकता की दिशा में प्रेरित करते हैं, उन्होंने जैन समाज की सेवा परंपरा की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करते हैं।

जीवन में आचरण ही सच्चा संदेश : स्वप्निल कोठारी

आयोजन समिति के अध्यक्ष स्वप्निल कोठारी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि महावीर का संदेश केवल विचारों तक सीमित नहीं है, बल्कि उसे जीवन में आचरण के रूप में उतारना आवश्यक है, यह आयोजन समाज में एकता, सेवा और विश्व बंधुत्व की भावना को सुदृढ़ करता है, आयोजन समिति की ओर से स्वागत भाषण महावीर ट्रस्ट मध्य प्रदेश के अध्यक्ष अमित कुमार सिंह कासलीवाल ने दिया, दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन की ओर से राकेश विनायका एवं श्वेतांबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन की ओर से विजय मेहता ने संबोधित करते हुए इस आयोजन में जैन एकता की प्रासंगिकता को बताते आयोजन को इंदौर नगर का सौभाग्य बताया, कार्यक्रम का संचालन प्रदीप चौधरी व दिव्यादित्य कोठारी ने किया, इस अवसर पर मंत्री तुलसी सिलावट, विधायक रमेश मेंदोला सहित अनेक जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी आयोजन समिति राजेश चेलावत अग्निबाण,विजय मेहता, पुष्पा प्रदीप कासलीवाल, मनोहर झांझरी, मनीष सुराना, विमल नाहर, अमित कासलीवाल, राकेश विनायका, शिखरचंद बाफना, सुशील पांड्या, प्रदीप चौधरी सहित अनेक समाजसेवी बड़ी संख्या में शामिल हुए।

विश्व रिकॉर्ड पुस्तक दिगम्बर जैन तीर्थ निर्देशिका मुख्यमंत्री को भेंट

समाजसेवी हसमुख जैन गांधी ने मुख्यमंत्री को उनके द्वारा संपादित 'दिगम्बर जैन तीर्थ निर्देशिका' भेंट की, उन्होंने अवगत कराया कि इस पुस्तक की एक लाख प्रतियों का विश्व रिकॉर्ड 'गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड' में दर्ज हुआ है। मुख्यमंत्री ने इस उपलब्धि की सराहना करते हुए श्री गांधी को प्रोत्साहित किया। समारोह ने यह संदेश दिया कि महावीर के सिद्धांतों को अपनाकर समाज में एकता, शांति और सेवा की भावना को और अधिक सुदृढ़ किया जा सकता है।

-राजेन्द्र जैन महावीर
पूर्णाश्रय, सनावद
9407492577

अहिंसावादी थे तीर्थंकर महावीर

निरभ्र नील गगन, शांत-प्रशांत उज्ज्वल चैत्र शुक्ला त्रयोदशी की रात्रि राजा सिद्धार्थ का गृह आंगन, माता त्रिशला की कुक्षि से 24वें तीर्थंकर महावीर का जन्म हुआ था। श्रमण परंपरा के आकाश में एक ऐसा देदीप्यमान सूर्य अंधकार को प्रकाश में बदलने के लिए क्षत्रिय कुंडग्राम में 14 महा विशिष्ट स्वप्नों के साथ धरा धाम को पावन सुपावन करने के लिए आया। अंतर्द्रिय ज्ञान से संपन्न तीर्थंकर महावीर का जन्म, जन-जन के लिए आह्लाद पैदा करने वाला था। महावीर स्वनाम धन्य थे, फिर भी उनकी अनेक विशेषताओं को ध्यान में रखकर अनेक नामों से पुकारा गया, उनके गुण निष्पन्न नाम थे- वर्द्धमान, सन्मति, वीर, अतिवीर, ज्ञातपुत्र, समन (श्रमण), महावीर। महावीर ने चिदात्मा की प्राप्ति के लिए चढ़ती यौवन अवस्था में सन्यास मार्ग की ओर चरणों को गतिमान बनाया। महावीर की साधना में स्वस्वरुप की प्राप्ति तथा साथ ही साथ पर कल्याण की भावना का समावेश था। परम आलोक से साक्षात्कार के लिए महावीर के चरण साधना पथ पर निरंतर गतिशील थे। विघ्नों और बाधाओं ने उपस्थित होकर परीक्षा लेनी प्रारंभ की। महाबली महावीर उस विकट परिस्थिति के क्षणों में एक क्षण के लिए भी संत्रस्त नहीं हुए। महावीर का मन पुलकित था, तन पर होने वाले कष्टों में वे अभय और मैत्री को साथ लेकर विजयी बनते गए। महावीर के तप तेज के आगे देवकृत, मनुष्य कृत, तिर्यंच कृत उपसर्ग निस्तेज होते चले गए और एक दिन वह आया, जिसमें महावीर ने पाया कि सब द्रव्यों और सब पर्यायों को जानने की अपूर्व क्षमता से युक्त केवल ज्ञान, लंबे समय से चला आ रहा विघ्नों का ज्वार शांत हो गया। कैवल्य प्राप्ति के साथ ही महावीर ने अखिल भारतीय विश्व को अहिंसा, अपरिग्रह और अनेकांत का आलोक प्रदान किया। उत्पाद, व्यय और ध्रौव्य की त्रिपदी से आत्मवाद के सत्य को स्पष्टता से उजागर किया। पर्यावरण के प्रणेता पुरुष ने आज से लगभग 2600 वर्षों पूर्व वर्तमान की एक ज्वलंत समस्या 'बढ़ता हुआ प्रदूषण एवम् पर्यावरण शुद्धि' का समाधान दिया। महावीर ने कहा-वणकम्मे-जंगलों की कटाई न हो, फोडीकम्मे-भूमि का उत्खनन न हो व्यक्ति अपनी सुख-सुविधा के लिए असंयम को बढ़ावा दे रहा है, अगर वह महावीर के 'संजमम्पि ये वीरयं' के सूत्र को आत्मसात कर ले तो निश्चित ही फैलते प्रदूषण को रोका जा सकता है। तीर्थंकर महावीर ने अहिंसा की अत्यंत सूक्ष्म व्याख्या प्रस्तुत की है।

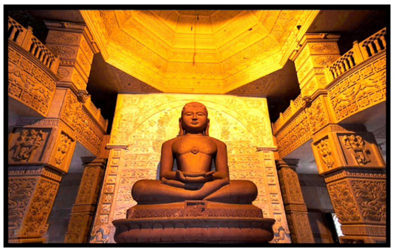

''आय तुले पयासु'' सब जीवों को अपनी तुलना से तोलो।
''हिंसा प्रसूतानि सर्व दुःखानि''

समस्त कष्टों के मूल में हिंसा है, प्रत्येक प्राणी जीने की इच्छा रखता है फिर क्यों किसी के प्राणों का हनन हो? वर्तमान में बढ़ते हुए हिंसक कारनामों को रोकने के लिए महावीर के अहिंसा दर्शन को समझना जरुरी है। महावीर का अपरिग्रह सिद्धांत बढ़ते हुए पूँजीवाद को रोकने में समाधायक है। 'इच्छा निरोधः तपः' इच्छाएं आकाश के समान अनंत हैं, बढ़ती हुई इच्छाओं को विवेक के द्वारा रोकना सीखें या यों कहें कि विवेक के द्वारा रोका जा सकता है। वर्तमान में व्यक्ति की लालसा पेट नहीं पेटी भरने की है, फलतः भ्रष्टाचार चारों ओर व्याप्त हो रहा है, करप्शन को रोकने के लिए आंदोलन किए जा रहे हैं, महावीर दर्शन का अपरिग्रह सिद्धांत समाधान है, बढ़ते भ्रष्टाचार को रोकने के लिए महावीर का अनेकांत दर्शन सामुदायिक जीवन को सरसता एवम् मधुरता दे सकता है।

PUKHRAJ BANTIYA
Mob: 9443370666
VINOD BANTIYA
Mob: 9994730132
VISHAL BANTIYA
Mob: 8610729575
ANMOL BANTIYA
Mob: 9944502198
JAIN JEWELLERY
BANTIYA JEWELLERS
No.9, Railway Road, Sirkali, Mayiladuthurai
Tamil Nadu, Bharat- 609110
No 36, Challani Plaza, 1St Floor, Shop No 36, Veerapan Street,
Sowcarpet, Chennai, Bharat- 600079

वर्तमान को वर्धमान की जरुरत है
वर्तमान को 'जैन एकता' की जरुरत
ANUP C. NAHAR
Mob: 9822555225
Ortholink Marketing
We Care... We Serve... Since 1999
MARKETERS - Hospital Chemical & Disintectants, O.T. Disposables, Advance Wound Dressing
DISTRIBUTORS - Ortho/Neuro Implants Instruments, Surgicals Dispo, CSSD Dressings
EXPORTERS - Hospital Furniture, Rehab Aids, Medical Devices.
312/A1, Ground Floor, Siddhant Apartment, B Wing, Shaniwar Peth,
Pune, Maharashtra, Bharat-411030, Mob:9552525713, Mob:9766779077

वर्तमान को वर्धमान की जरुरत है
वर्तमान को 'जैन एकता' की जरुरत
RAJESH KUMAR BAFNA
Mob:-7600213874
ARIHANT ENTERPRISES
19/1,Seals garden Lane
Kolkata, West Bangal, 700002
भारत को 'भारत' ही बोला जाए एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!!

जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!!

विशेष सूचना: आगामी जनगणना हेतु महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश

मान्यवर, सादर जय जिनेन्द्र!

आप सभी समाज बंधुओं को सूचित किया जाता है कि आगामी राष्ट्रीय जनगणना के दौरान हमें अपनी धार्मिक और भाषाई पहचान को संगठित रूप से दर्ज करवाना है। जैन समाज की वास्तविक संख्या और शक्ति को सरकार के समक्ष लाने के लिए, कृपया जनगणना प्रपत्र भरते समय निम्नलिखित जानकारी ही दर्ज करवाएं:

अनिवार्य विवरण (प्रपत्र अनुसार):
1. सीरियल नंबर 08 (धर्म): लिखें Jain (जैन) | कोड: 04
2. सीरियल नंबर 09 (जाति): लिखें Jain (जैन) | कोड: A 0516
3. सीरियल नंबर 10 (उप-जाति): लिखें Jain (जैन) | कोड: A 0547
4. सीरियल नंबर 15 (मातृभाषा): लिखें प्राकृत (Prakrit)

महत्वपूर्ण निर्देश:

- संप्रदाय: सीरियल नंबर 10 में श्वेताम्बर, दिगम्बर, स्थानकवासी, तेरापंथ आदि न लिखकर केवल 'Jain' ही लिखें।
- भाषा: सीरियल नंबर 15 में क्षेत्रीय भाषाओं के स्थान पर 'प्राकृत' दर्ज करवाएं, क्योंकि हमारे मूल आगम इसी भाषा में हैं।

एकजुटता के लाभ:

- इससे सरकार की नजर में जैनों की सही जनसंख्या आएगी, जिससे अल्पसंख्यक प्रमाणपत्र (Minority Certificate) प्राप्त करने, सरकारी योजनाओं का लाभ लेने और शासन-प्रशासन में समाज की भागीदारी सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

जै | धा

निवेदन: समस्त जैन संगठन इस सूचना को अपने मंदिरों और डिजिटल ग्रुप्स में प्रसारित करें।

निवेदक: समस्त जैन संगठन | विशेष सहयोग: जयप्रकाश जैन(बरखा)

BADJATE

BADJATE STOCK & SHARES PVT. LTD.

CREATE WEALTH NOT JUST PROFITS!

MEMBER NSE BSE MCX CDSL & AMFI

Badjate Stock & Shares Pvt. Ltd., has been a pioneer in financial services in central India for over six decades. Founded in 1964 by Late Prof. Sir Shantilal Badjate with just a handful of investors.

Equity | Mutual Funds | Portfolio Management Services | Currency | Commodity

Insurance | Derivatives | Bonds | Loans

THE JAIN INTERNATIONAL SCHOOL, NAGPUR | LITTLE JEWELS KINDERGARTEN, NAGPUR | S. B. JAIN INSTITUTE OF TECHNOLOGY, MANAGEMENT & RESEARCH, NAGPUR

Mob: +91 8329046596 | www.badjategroup.com

PMS REGISTRATION NO. INP000006527

श्री महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव सम्पन्न

कुरावली: मैनपुरी (उ.प्र.) में श्री महावीर जन्म कल्याणक के अवसर पर दो दिवसीय कार्यक्रम परम पूज्य आचार्य श्री 108 सौभाग्य सागर जी महाराज के सानिध्य में धूमधाम से मनाया गया। आचार्य श्री के सानिध्य में 30 मार्च को महामृत्युंजय विधान पंडित श्री मनीष शास्त्री इटावा और संगीतकार सैन्की जैन की स्वर लहरी के बीच हुआ।

31 मार्च को सुबह प्रभात फेरी के साथ प्रभु के जन्म कल्याण महोत्सव का आगाज हुआ, फिर तीन तीन भव्य रथों पर विशाल रथयात्रा नगर में जैन समाज के लोगों ने भव्यता के साथ धूम धाम के साथ निकाली गई। कार्यक्रम में जैन समाज अध्यक्ष मुकेश जैन, कोषाध्यक्ष अखिल जैन 'सोनू', अनुराग जैन, जौली अखिल जैन, गुंजन, राजू जैन, विवेक जैन, रोमी, जीवन कांत जैन, सुदीप जैन, बब्बन, डॉ.प्रदीप जैन, डॉ. सुशील जैन, राजीव जैन टनाटन शामिल रहे।

जय भारत! जय जिनेन्द्र!

भारत को 'भारत' ही बोलेंगे INDIA नहीं

सुनील नंदावत

अध्यक्ष श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, आरटी नगर, बेंगलुरू
उदयपुर निवासी-बेंगलुरु प्रवासी
भ्रमणध्वनिः ९४४८३७१५९०

सुनील जी 'जैन एकता' के संदर्भ में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहते हैं कि आज जैन समाज विलुप्त होने के कगार पर आ गया है, हमारी संख्या वैसे ही कम है, उस पर भी यदि हम पंथ व संप्रदाय को लेकर चलेंगे तो निश्चित ही हमारा अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। पंथवाद के कारण हमारा समाज आगे नहीं बढ़ पा रहा, हमें जैन धर्म को आगे बढ़ाना है और महावीर के शासन को संभालना है। जैन समाज में एकता अवश्य ही स्थापित करनी होगी, लोगों का ऐसा योगदान होना चाहिए जब भी बोलें, तो धर्म और जैन होने के पक्ष में ही बोलें। महावीर के सिद्धांत और अनेकांतवाद को व्यवहार में लाएं, ताकि सामने वाला देख कर ही कहे कि आप 'जैन' हैं, बताने की जरूरत ना पड़े, उस भाव को हमें लाना होगा, घर परिवार से ही यह शिक्षा मिल सकती है।

हमारे यहां महावीर जन्म कल्याणक पर्व शानदार तरीके से आयोजन किया गया, समस्त जैन समाज द्वारा मिलकर 'महावीर जन्म कल्याणक' मनाया गया। आज की युवा पीढ़ी अपने धर्म और समाज से जुड़ी भी है और विमुख भी हो रही है, जिन युवाओं को बचपन से ही संस्कार मिलते हैं, वह अवश्य अपने धर्म और समाज से जुड़ते हैं।

गाय को राष्ट्रमाता का सम्मान अवश्य मिलना चाहिए, यही हमारे देश की संस्कृति है।

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि निश्चित रूप से अपने देश का नाम केवल 'भारत' ही रहना चाहिए। विश्व के किसी भी देश के दो नाम नहीं है, तो हमारे देश का कई नाम क्यों, हम मेड इन इंडिया की जगह पर 'मेड इन भारत' लिखें, यह मानस होना चाहिए क्योंकि हम 'भारत' माता की जय बोलते हैं।

सुनील जी राजस्थान के उदयपुर जिले में स्थित 'भिंडर गांव' के निवासी हैं। आपका जन्म सम्पूर्ण शिक्षा 'बेंगलुरु' में ही संपन्न हुई है, यहां आप कई कारोबार से जुड़े हैं, साथ ही कई सामाजिक संगठन में भी सक्रिय रहे हैं। साधुमार्गी जैन संघ कर्नाटक, आंध्र अंचल के राष्ट्रीय मंत्री रहे है, श्रावक संघ आरटी नगर बेंगलुरु के अध्यक्ष हैं। जय गौमाता! जय भारत!

-जिनागम

पराग जैन

निवासी-आरा।-पटना प्रवासी
मानद मंत्री-बिहार स्टेट दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी
महामंत्री-आशा बिहार
भ्रमणध्वनिः ९३०४०९०७४२

'महावीर जन्म कल्याणक' के पावन अवसर पर समाजसेवी, जैन धर्मप्रेमी एवं तीर्थभक्त पराग जैन ने समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहते हैं कि बिहार राज्य का यह सौभाग्य है कि भगवान महावीर स्वामी के पंच कल्याणक—गर्भ, जन्म, तप (दीक्षा), केवलज्ञान एवं मोक्ष—सभी इसी पावन भूमि पर सम्पन्न हुए। यही कारण है कि महावीर जन्म कल्याणक पर्व बिहार में विशेष श्रद्धा, आस्था और भव्यता के साथ मनाया जाता है।

राज्य के विभिन्न जिलों में यह पर्व भव्य रूप से मनाया जाता है। कहीं द्विदिवसीय, कहीं त्रिदिवसीय तो कहीं सप्तदिवसीय कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इस दौरान भगवान महावीर के उपदेशों, उनके पंचशील सिद्धांतों एवं जीवन दर्शन को जन-जन तक पहुंचाने के लिए अनेक धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होते हैं। कई स्थानों पर भव्य रथयात्रा भी निकाली जाती है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु उत्साहपूर्वक भाग लेते हैं। विद्यालयों में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन कर विद्यार्थियों को उनके आदर्शों से अवगत कराया जाता है। इस अवसर पर जैन समाज द्वारा प्रभात फेरी निकाली जाती है, धर्मसभाओं में जिनवाणी का वाचन होता है तथा जैन संतों द्वारा भगवान महावीर के जीवन एवं शिक्षाओं पर प्रवचन दिए जाते हैं। इस पावन अवसर पर राज्य सरकार द्वारा भी वैशाली महोत्सव एवं कुंडलपुर महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाता है। इन महोत्सवों में भगवान महावीर स्वामी के जीवन पर आधारित आकर्षक नाटिकाओं का मंचन किया जाता है तथा जैन धर्म से संबंधित भजनों की प्रस्तुति देश के प्रख्यात कलाकारों द्वारा दी जाती है। इस अवसर पर सरकार के अनेक गणमान्य मंत्री एवं विशिष्ट अतिथि भी उपस्थित रहते हैं, जिससे **शेष पृष्ठ ३८ पर...**

जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!!

राष्ट्रमाता बनें
निवेदकः मैं भारत हूँ फाउंडेशन

मैं भारत हूँ फाउंडेशन
भारत को 'भारत' ही बोला जाए
www.mainbharathun.co.in

पृष्ठ ३७ से... कार्यक्रम की गरिमा और भी बढ़ जाती है।

साथ ही, समाज के विभिन्न पंथ एकजुट होकर सामूहिक भोज का आयोजन करते हैं और निर्धन, वंचित एवं दिव्यांगजनों के बीच मिठाइयां, वस्त्र एवं फल वितरित कर सेवा कार्य करते हैं।

जैन समाज की 'एकता' पर बल देते हुए पराग जैन ने कहा कि पंथवाद एवं आडंबर से ऊपर उठकर सभी जैन संतों को समान दृष्टि से देखना चाहिए। सभी पंथों की समानता ही समाज में सच्ची एकता स्थापित करने का आधार है।

'गौमाता' को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान दिलाने के विषय में उन्होंने कहा कि गौ माता मानव जीवन के पोषण का महत्वपूर्ण स्रोत है। जिस प्रकार जन्मदात्री मां में दया, करुणा और ममता के गुण होते हैं, उसी प्रकार गौ माता में भी ये दिव्य गुण विद्यमान हैं। अतः उन्हें राष्ट्रमाता का सम्मान दिया जाना चाहिए।

देश की पहचान पर अपने विचार रखते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी राष्ट्र की पहचान उसकी सभ्यता, संस्कृति और परंपराओं से होती है। हमारे धर्मग्रंथों में हमारे देश को 'भारत' कहा गया है। जैन परंपरा के अनुसार, जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव के पुत्र भरत के नाम पर ही इस देश का नाम 'भारत' पड़ा है। अतः हमें अपने गौरवशाली इतिहास एवं परंपरा का सम्मान करते हुए अपने राष्ट्र को 'भारत' ही संबोधित करना चाहिए।

पराग जी मूलतः आरा (बिहार) के निवासी हैं और वर्तमान में पटना में निवास करते हैं। वे एक फाइनेंशियल आर्किटेक्ट एवं निवेशक होने के साथ-साथ समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय हैं। 'आशा बिहार' नामक संस्था के माध्यम से वे आध्यात्म अहिंसा और शाकाहार का व्यापक प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। वे बिहार राज्य के जैन तीर्थ स्थलों की प्रबंधन समिति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं जय भारत! जय गौमात! **-जिनागम**

हीराचंद राखेचा

व्यवसायी व समाजसेवी

बालोद जिला, छत्तीसगढ़

भ्रमणध्वनिः ९७५२१५०४३०

हीराचंद राखेचा जी समाज सेवा के क्षेत्र में ख्याति प्राप्त व्यक्तित्व हैं। 'महावीर जन्म कल्याणक' पर्व की शुभकामना देते हुए हीराचंद जी कहते हैं कि आपके क्षेत्र में 'महावीर जन्म कल्याणक' पर्व पर प्रभात फेरी का आयोजन होता है, गुणानुवाद, नाटक मंचन, महावीर स्वामी के शिक्षाओं तथा आदेशों पर व्याख्यान आयोजित होता है। जैन मंदिरों में भजन-कीर्तन का कार्यक्रम आयोजित होता है। सामूहिक भोज के साथ-साथ जनकल्याण के कार्य भी किए जाते हैं। निर्धन, वंचित व जरूरतमंद लोगों को वस्त्र, भोजन, मिठाइयां आदि बांटी जाती है।

हीराचंद जी के अनुसार जैन समाज वर्तमान में संक्रमण के दौर से गुजर रहा है। प्राचीन जीवन मूल्य व आधुनिक जीवन शैली के मध्य संघर्ष चल रहा है। संयुक्त परिवार विघटित हो रहे है, जिससे हम अपनी परंपराओं, रीति-रिवाजों और जीवन मूल्यों से दूर होते जा रहे हैं,क्योंकि अपने बच्चों को जैन तीर्थंकरों तथा जैन महापुरुषों के विचारों से अवगत नहीं करा पा रहे।

जैन समाज में एकता स्थापित करने के लिए समाज को एकजुट होकर काम करना होगा। विभिन्न जैन पंथों के अनुयायियों को अपने नाम के साथ 'जैन' लगाना चाहिए। श्वेताम्बर, दिगम्बर, स्थानकवासी, तेरापंथी आदि संप्रदायों को एक समन्वय तंत्र विकसित करना चाहिए, जो की जैन धर्म के किसी भी मुद्दे पर अंतिम निर्णय ले सके, शक्ति संचित करके ही हम जैन समाज की बातों को मुखरतापूर्वक रख सकते हैं। याद रहे-

'काला बादल भी बहुत देर सूरज को छुपा नहीं सकता है,
जिसके बाहों में पौरुष हो वह निश्चय ही भाग्य बदलता है।'

अंर्तजातीय विवाह से वर्ण संकरणता फैलती है और इससे सामाजिक मूल्यों का पतन होता है। जैन बच्चों को इससे परिचित कराना होगा और स्वजातीय विवाह को प्रोत्साहित करना होगा। अहिंसा, अस्तेय, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह, अचौर्य को वर्तमान परिवेश के अनुरूप प्रसांगिक बनाना चाहिए।

गौमाता को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान दिलाने के संदर्भ में आपका कहना है कि प्रत्येक घर में गौमाता का पालन होना चाहिए, क्योंकि इससे उस क्षेत्र की समस्त नकारात्मक ऊर्जा और वास्तुदोष समाप्त हो जाता है, साथ ही शुद्ध दूध की प्राप्ति होती है।

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में हीराचंद जी के अनुसार विश्व के सभी देशों का नाम वहां के मूल निवासियों द्वारा रखा गया है, फिर 'भारत' का नाम विदेशियों द्वारा रखा जाये, ये सही नहीं है। भारत की पहचान भारतीयों से है ना कि विदेशियों से, इसलिए भारत को 'भारत' ही बोला जाना चाहिए।

हीराचंद राखेचा (जैन) प्रबंधक आनंद पब्लिक स्कूल के प्रबंधक हैं, जो की डौंडीलोहारा, जिला बालोद, छत्तीसगढ़ में स्थित है। जय भारत! जय गौमाता! **-जिनागम**

भारत को केवल BHARAT ही बोला जाए INDIA नहीं

जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!!

आइये हम सभी 'जय जिनेन्द्र' के साथ 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!
INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए
Remove INDIA Name From The Constitution
INDIA GATE का नाम 'भारतद्वार' लिखवायें

मनोज कुमार सुराणा

पूर्व उपाध्यक्ष तेरापंथ सभा इंदौर
बीकानेर निवासी-इंदौर प्रवासी
भ्रमणध्वनिः ९३०१३८२२८७

मनोज जी 'महावीर जन्म कल्याणक' पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहते हैं कि आज के परिपेक्ष में 'महावीर जन्म का कल्याणक' पर्व का उतना ही महत्व है जितना पहले था, बल्कि आज इसकी सार्थकता और बढ़ जाती है, आज के माहौल में महावीर के सिद्धांतों और संदेशों के नितांत आवश्यकता है, जिस तरह विश्व में अशांति और अहिंसा फैली हुई है, उसे रोकने के लिए महावीर के सिद्धांतों को अमल में लाना बहुत जरूरी है। महावीर पंथों के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए इस पर्व को मनाना चहिए।

हमारे इंदौर में समस्त श्वेताम्बर द्वारा मिलकर 'महावीर जन्म कल्याणक' पर्व मनाया जाता है, जिसमें सभी श्वेताम्बर संप्रदाय सम्मिलित होते हैं, भव्य शोभा यात्रा निकाली जाती है, तत्पश्चात अन्य सांस्कृतिक, धार्मिक, सामाजिक कार्यक्रम होते हैं।

'जैन एकता' के संदर्भ में आपका कहना है कि एकता तो बहुत जरूरी है, पर यह कार्य हमारे गुरु भगवंतों के द्वारा ही संभव किया जा सकता है, क्योंकि श्रावकों में तो कोई भी भिन्नता नहीं दिखाई देती, यदि गुरु-भगवंत प्रयास करें तो अवश्य ही समाज में एकता स्थापित हो सकती है।

आज की युवा पीढ़ी पाश्चात्य सभ्यता की ओर अधिक बढ़ रही है, उनके लिए 'महावीर जन्म कल्याणक' मनाना उतना जरुरी नहीं है, जितना वैलेंटाइन डे मनाना।...

गाय को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान अवश्य मिलना चाहिए, गाय हमारे लिए माता के समान ही है, उनकी सेवा और सुरक्षा जरूरी है।

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि निश्चित रूप से अपने देश का नाम 'भारत' ही रहना चाहिए, इंडिया बोलने वाले तो चले गए, उनके दिए नाम को हम क्यों अपना रहे हैं, हमारी पहचान 'भारत' से है और 'भारत' से ही रहनी चाहिए।

मनोज जी मूलतः राजस्थान स्थित 'बीकानेर' के निवासी हैं। आपका जन्म बीकानेर में व स्कूल एवं कॉलेज की शिक्षा शिलौंग (मेघालय) में संपन्न हुई है। पिछले लगभग ३० वर्षों से 'इंदौर' में बसे हैं व व्यापार से जुड़े हैं, साथ ही सामाजिक क्षेत्र में भी सक्रिय रहते हैं। तेरापंथ सभा इंदौर के पूर्व उपाध्यक्ष रहे हैं और युवा अध्यक्ष के रूप में भी अपनी भूमिका निभाई है, वर्तमान में अन्य कई सामाजिक संस्थाओं से भी जुड़े हैं। जय भारत! जय गौमाता!

-जिनागम

अनूप नाहर

व्यवसायी व समाजसेवी
नागौर निवासी-पुणे प्रवासी
भ्रमणध्वनिः ९८२२५५५२२५

अनूप जी 'जैन एकता' के संदर्भ में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहते हैं कि 'जैन एकता' समाज के लिए बहुत जरूरी है, हमारी जनसंख्या बहुत कम है। तीर्थंकर महावीर द्वारा दिए गए सिद्धांत सर्वधर्म समभाव, जियो और जीने दो, सत्यता, शीलता व संयम के मार्ग पर ही हमें चलना चाहिए, इन मार्गो पर चलकर ही समाज आगे बढ़ सकता है, समाज को एकत्रित करने के लिए हमारे गुरु भगवंतों के एकत्रित होना बहुत जरूरी है, तभी 'जैन एकता' स्थापित हो सकती है।

हमारे पुणे के पिंपरी-चिंचवड में समस्त जैन समाज द्वारा 'महावीर जन्म कल्याणक' भव्य रूप में मनाया गया, पहले दिन स्थानक में एकासना की गई, दूसरे दिन सामायिक की गई, तत्पश्चात धर्म चर्चा की गई, तीसरे दिन ब्लड डोनेशन कैंप रखा गया, जन्म कल्याणक के दिन सुबह यात्रा निकाली गई, इसके अलावा कई प्रतियोगिताएं रखी गईं, जिसमें बच्चों ने बढ़-चढ़कर सहभाग लिया और भी कई कार्यक्रम किए गए।

आज की युवा पीढ़ी द्वारा धर्म और समाज के प्रति विभिन्न धार्मिक व सामाजिक कार्यक्रम करती है, युवाओं का योगदान बढ़ चढ़कर रहता है।

गाय को 'राष्ट्रमाता' का सामान अवश्य मिलना चाहिए, उनकी सेवा और सुरक्षा सर्वप्रथम जरूरी है, हमारे यहां प्रत्येक वर्ष 'महावीर जन्म कल्याणक' पर्व के अवसर गौशाला में अन्नदान किया जाता है।

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि निश्चित रूप से अपने देश का नाम केवल 'भारत' ही रहना चाहिए। प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव जी के पुत्र भरत चक्रवर्ती के नाम से इस भूखंड का नाम 'भारत' पड़ा है।

अनूप जी मूलतः राजस्थान स्थित 'नागौर' के निवासी हैं। आपका परिवार कई वर्षों से 'पुणे' में बसा हुआ है। आपका जन्म और संपूर्ण शिक्षा 'पुणे' के पिंपरी-चिंचवड में संपन्न हुई है, यहां आप व्यापार के साथ-साथ कई सामाजिक क्षेत्र में भी सक्रिय रहते हैं, जैन सोशल ग्रुप व स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के कार्यकारी सदस्य हैं। जय गौमाता! जय भारत!

-जिनागम

गोबर से संसार में, घर, चौसर औ खेत। विकिरण मेटे सहज में, गो-पालन से हत।।

जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!!

शरदचंद दुगड़ (जैन)
व्यवसायी व समाजसेवी
फतेहपुर शेखावाटी निवासी-कोलकाता प्रवासी
भ्रमणध्वनिः ९३३१०७९२८९

शरदचंद जी 'जैन एकता' के संदर्भ में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहते हैं कि जैन समाज में एकता बनाए रखने के लिए पंथों (श्वेताम्बर, दिगम्बर) से ऊपर उठकर मूल सिद्धान्तों अहिंसा, अपरिग्रह और अनेकांतवाद को प्राथमिकता देना आवश्यक है। संवत्सरी जैसे पर्व सामूहिक रूप से मनाना, युवा पीढ़ी को धर्म से जोड़ना और ज्ञान व दान के माध्यम से समाज को संगठित करना एकता की नींव है।
आज की युवा पीढ़ी काफी होशियार है। ऊर्जा, नवीनता और तकनीकी ज्ञान से भरपूर है, युवा वर्ग सामाजिक मुद्दों पर मुखर है और पुरानी रूढ़ियों को चुनौती देने की क्षमता रखता है।
गाय माता को राष्ट्रीय गोऊ माता का सम्मान ज़रूर मिलना चाहिए, सनातन धर्म में गौमाता को पूजनीय माना गया है।
'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि नाम तो अनमोल होता है।
शरदचंद जी मूलतः राजस्थान फतेहपुर शेखावाटी के निवासी व कोलकाता प्रवासी हैं, आपका जन्म फतेहपुर में व शिक्षा कोलकाता व इंजीनियरिंग रांची में सम्पन्न हुई है। आप इंडियन फाउंड्री एसोसिएशन संस्था से जुड़े हैं, आपका व्यवसाय आर्यन व स्टील का है। जय गौमाता! जय भारत!
-जिनागम

पूनमचंद संचेती
महामंत्री पिंपरी चिंचवड़ जैन श्रावक संघ
जलगांव निवासी-पुणे प्रवासी
भ्रमणध्वनिः ९३७१००६५७१

पूनमचंद जी 'जैन एकता' के संदर्भ में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहते हैं कि जैन समाज में आज समय की सबसे बड़ी मांग है 'एकता', जो बहुत जरूरी है। तीर्थंकर महावीर के द्वारा बताए गए पांच सिद्धांत आज मानव जीवन के लिए बहुत ही उपयोगी हैं, आज यदि जैन समाज इन सिद्धांतों से परे हटकर अन्य किसी राह पर चले, तो वह उनके लिए और धर्म के लिए ठीक नहीं है, इस पर यदि ध्यान नहीं दिया जाएगा तो जैन सिद्धांत लुप्त होते चले जाएंगे, हम यदि 'जैन' हैं, तो तीर्थंकर महावीर के सिद्धांतों को मानना जरूरी है, इसीलिए जैन समाज में एकता होना जरूरी है, चाहे वह किसी भी पंथ के हों, सभी तीर्थंकर महावीर स्वामी को ही मानते हैं, उनके आदर्शों को अपनाते हैं, तो उनके सिद्धांतों को आधार मानकर एकमंच पर स्थापित हुआ जा सकता है।
आज की युवा पीढ़ी को धर्म समाज से जोड़ना, उनके माता-पिता का दायित्व है, आज की युवा पीढ़ी में यदि बचपन से ही संस्कार का बीजारोपण नहीं किया गया तो वह युवावस्था में फलित कैसे होगा। आज की युवा पीढ़ी शिक्षा को अधिक महत्व दे रही है, पर उन्हें संस्कार को भी महत्व देना चाहिए। यदि उन्हें नवकार महामंत्र नहीं ज्ञात है तो उन्हें 'जैन' कहलाने का हक भी नहीं।'
गाय को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान अवश्य मिलना चाहिए, वैदिक ग्रंथों व पुराणों में भी 'गाय' को महत्व दिया गया है, भगवान श्री कृष्ण और भगवान दत्त भी गाय से ही जुड़े हैं, कहते हैं गाय में देवी-देवताओं का वास होता है, गाय से मिलने वाली प्रत्येक वस्तु मानव जीवन के लिए अमृत के समान है, उनसे आज दवाइयां बनने लगी हैं, इसीलिए गाय को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान अवश्य मिलना चाहिए, यह हमारी भारतीय संस्कृति है।
'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि निश्चित रूप से अपने देश का नाम केवल 'भारत' ही रहना चाहिए, तीर्थंकर ऋषभदेव जी के पुत्र भरत चक्रवर्ती के नाम से इस भूखंड का नाम 'भारत' पड़ा, 'भारत' नाम अपने आपमें महत्वपूर्ण है, इंडिया नाम का अर्थ ही नहीं।
पूनमचंद जी मूलतः राजस्थान के जोधपुर जिले में स्थित 'भेरुजी की बडली' के निवासी हैं। आपका जन्म और संपूर्ण शिक्षा जलगांव के 'अमलनेर' में संपन्न हुयी है, १९८७ से पुणे में बसे हैं और पेशे से अधिवक्ता के रूप में कार्यरत है, साथ ही आप सामाजिक क्षेत्र में भी सक्रिय रहते हैं, जैन कॉन्फ्रेंस पंचम जोन के ज्ञान प्रकाश योजना के अध्यक्ष पद पर कार्यरत हैं, पिंपरी चिंचवड़ जैन श्रावक संघ के महामंत्री पद पर कार्यरत हैं। जय गौमाता! जय भारत!
-जिनागम

भारत को 'भारत' ही बोलें
आइये हम सब मिलकर इसकी शुरूआत करें जय भारत!

जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!!

संदीप शांतिलाल फुलफगर

पूर्व अध्यक्ष श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन सेवक संघ कासरवाडी पुणे
पुणे निवासी
भ्रमणध्वनि: ९२२५५४३६८१

संदीप जी 'जैन एकता' के संदर्भ में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहते हैं कि जैन समाज में एकता होना बहुत जरूरी है, एकता ना होने से समाज बिखरा हुआ है, अपने धर्म और समाज के अस्तित्व को बनाए रखने के लिए समाज में 'एकता' होना जरूरी है, इसके लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा। एकता ना होने से ही आज बच्चों में अंतरजातिय विवाह की संख्या बढ़ रही है, इसे रोकने के लिए समाज में एकता होना जरूरी है।

आज की युवा पीढ़ी अपने धर्म और समाज से कम ही जुड़ी है, वह सिर्फ कार्यक्रमों तक ही सीमित रहती है, चौमासा में अवश्य ही युवा पीढ़ी सहभागी होती है।

गाय को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान अवश्य मिलना चाहिए, गाय सबसे महत्वपूर्ण प्राणी है, गाय एकमात्र ऐसा जीव है, जो हमें ऑक्सीजन देता है, गाय से सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त होती है, इसीलिए गाय को राष्ट्रमाता का सम्मान अवश्य प्राप्त होना चाहिए, उसमें भी देसी गाय को तो ज्यादा महत्व देना ही चाहिए।

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि निश्चित ही अपने देश का नाम केवल 'भारत' ही रहना चाहिए, विश्वस्तर पर हमारे देश को इंडिया नाम से संबोधित किया जाता है जो की 'भारत' होना चाहिए।

संदीप जी के पूर्वज मूलतः राजस्थान के निवासी थे, आपका जन्म व सम्पूर्ण शिक्षा 'पुणे' में संपन्न हुई है, यहां फर्नीचर शोरूम के व्यापार से जुड़े हैं, साथ ही सामाजिक क्षेत्र में भी सक्रिय रहते हैं। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक कासरवाडी के अध्यक्ष व पिंपरी चिंचवड़ जैन महासंघ के सचिव पद पर कार्यरत हैं। जय गौमाता! जय भारत!

-जिनागम

बछराज बेताला

पूर्व अध्यक्ष तेरापंथ सभा भुवनेश्वर
छोटी खाटू निवासी-भुवनेश्वर प्रवासी
भ्रमणध्वनि: ९७७८४३२२९७

बछराज जी 'जैन एकता' के संदर्भ में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहते हैं कि 'जैन एकता' जैन मतावलम्बीयों के लिए अति आवश्यक है। आज के परिप्रेक्ष्य में हम 'जैन' जरूर हैं, लेकिन एकता कहां प्रदर्शित हो रही है। मूलतः हम एक होते हुए भी अनेक हैं। हमारे विभिन्न पंथों के गुरु अलग अलग, कुछ ही वैचारिक मतभेद के कारण हम 'एकता' की ओर अग्रसर कभी होते भी हैं लेकिन 'जैन एकता' नजर नहीं आती। अनेकांतवाद तथा स्यादवाद के सिद्धांत पर अगर सभी अनुयायी तथा धर्म गुरु प्रयास करें तो असम्भव कुछ भी नहीं है। परमपूज्य गुरुदेव आचार्य श्री तुलसी से लेकर वर्तमान आचार्य श्री महाश्रमण जी ने विभिन्न जैन आचार्यों के साथ अनेकों बार वार्तालाप किया है, कुछ सफलता मिली भी है। निरंतर प्रयास तथा अपने आग्रह को छोड़ने से ही एकता सम्भव है।

आज की युवा पीढ़ी तार्किक है, इस पीढ़ी को केवल आस्था व धर्म से जोड़ नहीं पायेगे। आज की युवा पीढ़ी का समाज तथा अपने धर्म से जड़ाव कम है। विमुख कहना अतिश्योक्ति होगी। अति व्यस्तता तथा समय का अभाव भी एक कारण है, अगर सही दिशा में प्रयास किया जाये तो वर्तमान पीढ़ी हमारे धर्म संघ के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि इंडिया नाम अपना नहीं है। कालांतर में अंग्रेजों के अधीन 'भारत' सेंकड़ों वर्षों तक गुलाम रहा। भारत को 'भारत' बोलने से गर्वान्वित महसूस करते हैं, भारत सरकार भी प्रयास कर रही है। सरकारी कागजों में 'भारत' नाम का प्रयोग होने लगा है।

गाय को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान अवश्य प्राप्त होना चाहिए। गाय में मां का आभास होता है। गाय में तेतीस करोड़ देवी-देवताओं का वास है, ऐसी हमारी आस्था है। गाय की महिमा बहुत है। मेरे मत से गाय को 'राष्ट्रमाता' का सन्मान अवश्य मिलना चाहिए।

बछराज जी मूलतः राजस्थान स्थित 'छोटी खाटू' के निवासी हैं। आपका जन्म राजस्थान में व संपूर्ण शिक्षा कोलकाता व राजस्थान में संपन्न हुई है, पिछले कई वर्षों से उड़ीसा के भुवनेश्वर में बसे है व सेनिटेशन का व्यवसाय है। सामाजिक कार्यो में रुचि होने के कारण अनेक संस्थाओं में सक्रियता के साथ काम कर रहे हैं। २०२० से २०२४ तक २ कार्यकाल में अध्यक्ष पद पर सक्रिय रहे, वर्तमान में कार्यकारिणी का सदस्य हैं। जय गौमाता! जय भारत!

-जिनागम

गो-सेवक परिवार की भावना, भारत का हर गाँव नंदगाँव बने।
गौ माता बनें राष्ट्रमाता अभियान के समर्थन का निवेदन।

जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!! जय जिनेन्द्र! जय जिनेन्द्र!! जय जिनेन्द्र!!!

भारत को केवल BHARAT ही बोला जाए अभियान में क्या आप सहयोग देना चाहते हैं तो संपर्क करें-9322307908
Follow for More Updates
https://www.instagram.com/mainbharathun_?
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
https://www.instagram.com /mainbharathun_?

intensive

Investment Banking ♦ Family Office ♦ NBFC
www.intensivefiscal.com

~ Unique Advice. Capital Market Insight, Efficient Execution, Delivering Financial Growth

Recent IPO

~~~ Our Services ~~~

- Public Issue (IPO)
- M&A / Strategic Acquisition
- Wealth Management & Advisory
- Right Issue / Buy-Back
- Takeover / Open Offer
- Valuation & ESOP
- Private Equity
- QIP Placement
- Pre-IPO Placement
- Debt Syndication
- Amalgamation & Demerger
- Financial Engineering

Intensive Fiscal Services Private Limited

RO: - 914, Raheja Chambers, Free Press Journal Marg, Nariman Point, Mumbai –400021, India,
Tel: +91-22-22870443 / 44 / 45, **Contact Person:** Virendra Bajaj +91 9699292100
Email: admin@intensivefiscal.com , virendra@intensivefiscal.com
Web: www.intensivefiscal.com

सम्पादक-विजय कुमार जैन

जिनागम

धर्म-परिवार-समाज-व्यवसाय का समन्वय

समस्त जैन समाज को एकजुट करने वाली एकमात्र पत्रिका

हम सब जैन हैं

विशेष छूट
विज्ञापन देने पर
पूरे साल
पत्रिका मुफ्त

जैन समाज एकत्र हो यह है हमारा नारा
इसके लिए चाहिए मात्र आप ही का सहारा

वार्षिक शुल्क
२१००/-

मात्र रु. १५०/- में, प्रति महिना

पंजीकृत कार्यालय

गेलॉर्ड पब्लिकेशन्स प्रा.लि.

बी-२१७, हिंद सौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोल, अंधेरी पूर्व, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत -४०० ०५९
दूरध्वनिः ०२२-४०१५ ८०९४ अणुडाकः mailgaylordgroup@gmail.com अन्तरताना : www.jinagam.co.in

अहिंसा
परस्परोपग्रहो जीवानाम

Postal Registration Number - MCN/192/2024-2026
WPP License No. MR/Tech/WPP-319/North/2024-26
Published on 09th April 2026 & Posting On 10th & 12th of Every Month
Posted at Marol Bazar Post Office, Mumbai - 400 059

गेलार्ड पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड व संपादक, मुद्रक व प्रकाशक बिजय कुमार जैन, बी-217, हिंद सौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोल, अंधेरी पूर्व, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत-400 059, टेलीफैक्स-022-2850 9999
अणु डाक -mailgaylordgroup@gmail.com, अन्तरताना : www.jinagam.co.in, द्वारा विनय ग्राफिक्स, युनिट नं 13, रवी इन्ड. को.-ऑप. सोसाइटी लि., 25 महल इन्ड ईस्टेट, महाकाली केव्हज रोड, अंधेरी पूर्व, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत-400093 से मुद्रित करवाकर प्रकाशित किया गया।
RNI NO. MAHHIN/2006/19598